pnb

పీఎన్బీ డెక్కన్ సంవాద్

पीएनबी दक्कन संवाद

पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद की अर्ध वार्षिक गृह पत्रिका, अंक 2, अक्टूबर-मार्च 2026

अंक 2

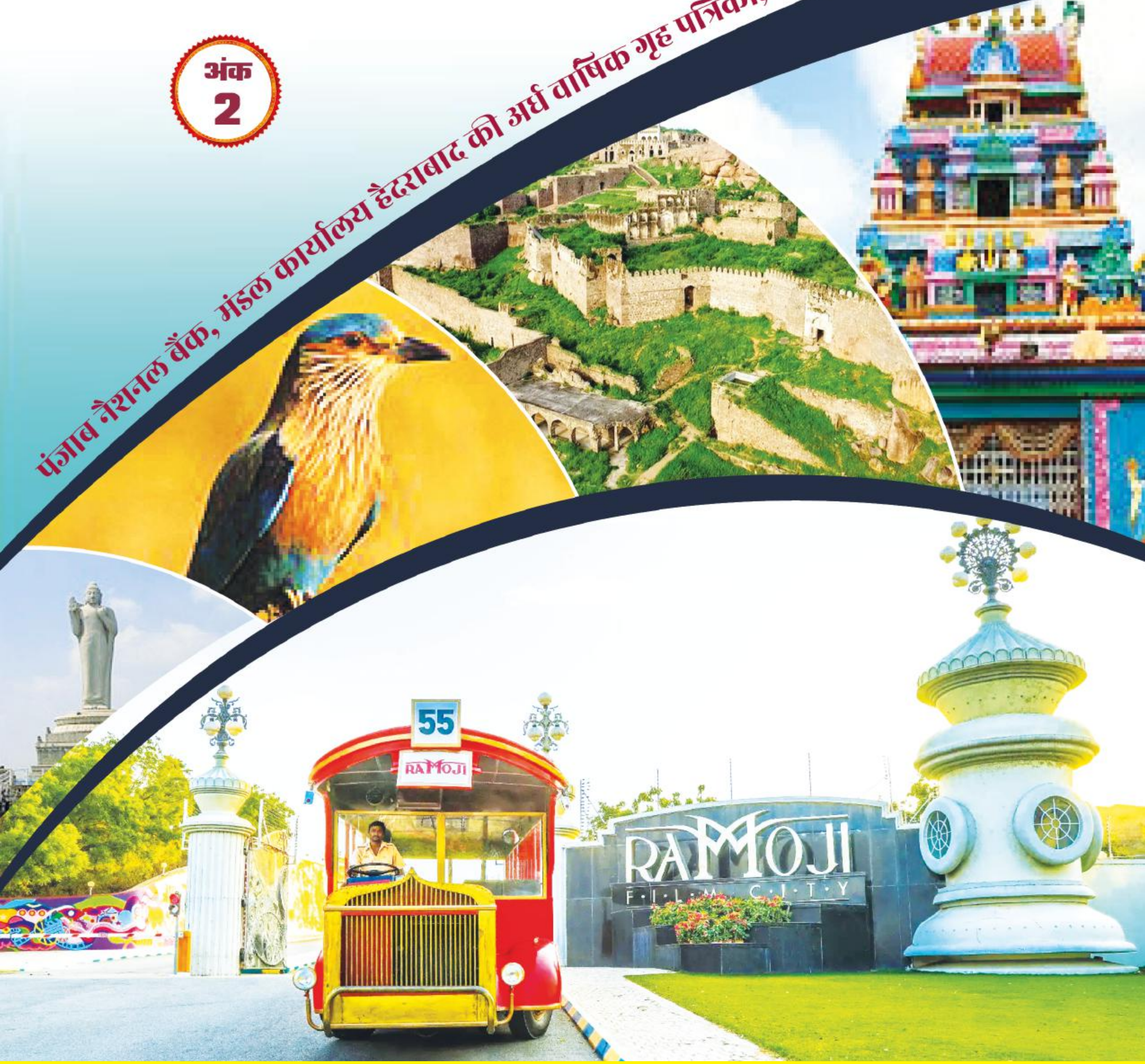

मंडल कार्यालय हैदराबाद रेजेंसी प्लाजा, प्रथम तल, अमीरपेट, हैदराबाद 500016 || दूरभाष : 7896941173 || ई-मेल : Cohydraj@pnb.bank.in

मंडल कार्यालय हैदराबाद की हिंदी पत्रिका "पीएनबी दक्कन संवाद " अंक -1 का अनावरण करते हुए तेलंगाना राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा जी ,हैदराबाद अंचल की महाप्रबंधक महोदया श्रीमती वंदना पाण्डेय ,मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा तथा अन्य अधिकारीगण ।

दूसरी तिमाही में डिजिटल लेंडिंग बिज़नस में अखिल भारतीय स्तर पर चतुर्थ स्थान प्राप्त करने पर मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा को सम्मानित करते हुए माननीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र महोदय तथा समस्त उच्च प्रबंधन के अधिकारीगण ।

एमडी /ईडी/जेडएम क्लब का सदस्यता प्राप्त करने पर पीएलपी प्रमुख श्री बी सोमेश्वर राव को पुरस्कृत करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अमित कुमार श्रीवास्तव ,अंचल प्रमुख हैदराबाद श्रीमती वंदना पाण्डेय एवं उप अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री संजय माने ।

एमडी /ईडी/जेडएम क्लब का सदस्यता प्राप्त करने पर एम सी सी प्रमुख श्री रमेश बाबू को पुरस्कृत करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अमित कुमार श्रीवास्तव ,अंचल प्रमुख हैदराबाद श्रीमती वंदना पाण्डेय एवं उप अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री संजय माने ।

राजभाषा शील्ड योजना 2024-25 में "ग" भाषाई क्षेत्र में श्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन हेतु वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा सुश्री श्वेता कुमारी को पुरस्कृत करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, विशिष्ट वक्ता प्रो. श्री रविकांत, लखनऊ विश्वविद्यालय, श्री विशेष कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबन्धक (राजभाषा), श्री मृत्युंजय, मुख्य महाप्रबंधक, अंचल प्रबंधक, लखनऊ,विभागीय प्रमुख राजभाषा श्रीमती मनीषा शर्मा एवं अन्य अधिकारीगण ।

एमडी /ईडी/जेडएम क्लब का सदस्यता प्राप्त करने पर हैदराबाद मंडल प्रमुख श्री अरविन्द कालरा को पुरस्कृत करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अमित कुमार श्रीवास्तव ,अंचल प्रमुख हैदराबाद श्रीमती वंदना पाण्डेय एवं उप अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री संजय माने ।

प्रबंधकीय मंडल

संरक्षक
श्री अरविंद कालरा
मंडल प्रमुख

मार्गदर्शक
श्री सी बी विवेकानंद
उप मंडल प्रमुख

परामर्श:
श्रीमती वी. पद्मावती
मुख्य प्रबंधक

मुख्य संपादक

सुश्री श्वेता कुमारी
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

प्रकाशन सहयोग

श्री अभिषेक कुमार गौतम
अधिकारी

अनुक्रमणिका

शुभ-संदेश

1	मंडल प्रमुख का संदेश	5
2	ए.आई.पी.एन.बी.ओ.ए तेलंगाना सचिव का संदेश	6
3	संपादकीय	7

गद्य-लेखन

4	जीवन का सार : निरंतर सीखना	सी.बी. विवेकानंद	10
5	जीने की राह	श्रीमती सी.बी. सविता	11
6	बैंक सेवाओं का विपणन	मनीष कुमार सिंह	12
7	बैंकिंग सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ एवं हानियाँ	स्वाति शर्मा	13
8	बैंक नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण	सोनम शर्मा	14
9	कुशल बैंकिंग परिचालन और ग्राहक संतष्टि	वाई राहुल	15
10	मुंशी प्रेमचंद का हिन्दी साहित्य में योगदान	नानी जे किशोर	17
11	बैंक में आयोजित ताल तरंग प्रतिभा, उत्साह और रचनात्मकता का संगम	प्रियंका भार्गव	18
12	पीएनबी खेल उत्सव एवं ताल तारागण 2025-26	आई मणिकंटा साई	19
13	शिक्षा	निधि गुप्ता	22
14	ग्रीन डिपॉजिट और ग्रीन फायनांस : चुनौतियाँ एवं अवसर	शेख तौकिर हसन	25
15	विश्व यौद्ध की तरफ बढ़ता विश्व	पी प्रकाश कुमार	27
16	साइबर आतंकवाद	उर्जना उदय कुमार	29
17	ईएसजी एकीकरण : भारत में सतत बैंकिंग का भविष्य	मयूर गंदमवार	31
18	अवकाश का महत्व - नई ऊर्जा और स्पष्ट सोच की ओर	रेंजू जिजो	33
18	"ગુજરાતી વ્યક્તિત્વ: મીઠાશ, મહેનત અને સંસ્કારની અનોખી ઓળખ	भूपेश बी. पांडिया	34

कव्यांजलि

19	एक पैगाम माँ की नाम		21
20	पंजाब नैशनल बैंक -विश्वास की पहचान	के गौतम सिंह	28
21	तेलंगाना की संस्कृति	जे शशि रेखा	28
22	मराठी गाना	बालाजी सदाशिव कोपले	33

अंक 2

विविध

23	30 मार्च 2026 के अनुसार मंडल कार्यालय हैदराबाद की कारोबार स्थिति	8
24	सिर्फ़ पढ़े नहीं, सुने भी और देखें भी	9
25	कलाकृतियाँ	20
26	जन्मोत्सव की झलकियाँ	35
27	विविध गतिविधियां	36
28	खेल उत्सव एवं ताल तरंग, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	37
29	राजभाषा गतिविधियां	38
30	विविध गतिविधियां	39-41
31	अखबारों के पन्नों में गतिविधियां	42

पीएनबी दक्कन संवाद, पंजाब नैशनल बैंक के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित की जाती है। इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है

मंडल प्रमुख का संदेश

प्रिय साथियों,

नए वित्तीय वर्ष 2025–26 की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। नया साल नए अवसर लेकर आता है और हमें आगे बढ़ने की नई ऊर्जा देता है।

वित्त वर्ष 2025–26 हमारे लिए चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन आप सभी के मेहनत और सहयोग से हमने उन्हें सफलतापूर्वक पार किया। आप सभी की लगन और टीम वर्क के कारण ही हम अच्छे परिणाम हासिल कर सके। इसके लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ।

इस वर्ष स्थानांतरण और पदोन्नति के माध्यम से कई साथियों को नई जिम्मेदारियाँ मिली हैं। यह आपके कार्य के प्रति विश्वास का प्रतीक है। मुझे पूरा भरोसा है कि आप सभी अपने नए दायित्वों को पूरी ईमानदारी और उत्साह के साथ निभाएँगे।

उच्च प्रबंधन की हमसे अपेक्षा है कि हम अपने काम में बेहतर प्रदर्शन करें, साथ ही ईमानदारी और अच्छे कार्य व्यवहार को बनाए रखें। हमें अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने पर विशेष ध्यान देना है।

साथियों, जब हम सब मिलकर एक टीम के रूप में काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। हमारी एकता और सहयोग ही हमें हैदराबाद मंडल को व्यवसाय, नैतिकता और कार्य संस्कृति के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में ले कर जाएगी।

आइए, इस नए वर्ष में हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि हम और बेहतर काम करेंगे, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे।

मुझे विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से हम इस वर्ष और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

आप सभी को एक सफल और खुशहाल वर्ष की शुभकामनाएँ।

अरविंद कालरा
मंडल प्रमुख,हैदराबाद

ए.आई.पी.एन.बी.ओ.ए तेलंगाना सचिव का संदेश

पीएनबी दृष्टिकोण 2026 – संवाद और संकल्प

पंजाब नैशनल बैंक निरंतर प्रगति, नवाचार और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है। बदलते वित्तीय परिवेश में तकनीक, पारदर्शिता और सुदृढ़ प्रबंधन हमारी सफलता के प्रमुख आधार हैं। हमारी वास्तविक शक्ति हमारे कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों, विश्वसनीय ग्राहकों और मजबूत संगठनात्मक मूल्यों में निहित है।

हमारा लक्ष्य केवल बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करना नहीं, बल्कि ग्राहकों के जीवन में भरोसे का प्रतीत बने रहना है। डिजिटल बैंकिंग, समावेशी वित्त और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के माध्यम से हम भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को निरंतर सशक्त बना रहे हैं।

वर्ष 2026 के लिए हमारा लक्ष्य -

- हर ग्राहक तक सहज, सुरक्षित और तेज़ बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाना,
- हर कर्मचारी को सशक्त बनाकर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करना,
- और हर शाखा को विकसित बनाना।

हमारी एकता, अनुशासन और समर्पण ही हमें नई उपलब्धियों तक ले जाएंगे। संगठन और कर्मचारियों के बीच सकारात्मक संवाद हमारी सबसे बड़ी ताकत है, जो हमें हर चुनौती को अवसर में बदलने की प्रेरणा देता है।

आइए, हम सभी मिलकर संकल्प लें-

विश्वास हमारी पहचान हो,
सेवा हमारी प्राथमिकता हो,
और प्रगति हमारा लक्ष्य हो।
हम साथ हैं, हम सक्षम हैं, हम सफल होंगे।

जी. वेंकन्ना
मंडल सचिव हैदराबाद एवं एजीएस, तेलंगाना

संपादकीय

सुधी पाठकगण,

मंडल कार्यालय, हैदराबाद की पत्रिका “पीएनबी दक्कन संवाद” के द्वितीय अंक (अक्टूबर–मार्च 2026) के माध्यम से आप सभी से पुनः जुड़ते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है।

मार्च छमाही अपने आप में वर्तमान और भविष्य, दोनों को संजोए रखती है। यह वर्तमान की उपलब्धियों, चुनौतियों एवं भविष्य की योजनाओं का प्रतिबिंब प्रस्तुत करती है। भविष्य की नींव सदैव भूत एवं वर्तमान की सीख पर आधारित होती है।

इस सृष्टि में विद्यमान प्रत्येक जीव एवं तत्व अपने आप में पूर्ण नहीं हो सकता, किंतु वे किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु ही इस जगत में हैं। ठीक इसी प्रकार, प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में अद्वितीय है तथा एक विशिष्ट शक्ति का धनी है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम उस शक्ति को पहचानें और उसे कार्यान्वयन में लाएँ।

यह सीख हम रामायण के उस प्रसंग से ले सकते हैं, जहाँ समुद्र पर सेतु निर्माण में एक छोटी सी गिलहरी ने भी अपना योगदान दिया था। ऐसे अनेक प्रसंग, घटनाएँ और कथाएँ हैं, जो हमें निरंतर प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती हैं।

हमारी गृहस्थी और हमारा कार्यक्षेत्र, दोनों हमारे जीवन में तराजू के दो पलड़ों के समान हैं, जिन्हें हमें निरंतर संतुलित रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। इस पत्रिका का उद्देश्य भी यही है-तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में भाषा से जुड़ाव बनाए रखना तथा अपने मनोभावों को लेखनी के माध्यम से अभिव्यक्त करना। इस संतुलन को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

आकाश में ऊँचा उड़ने के बावजूद भी हमें धरती से, अर्थात अपनी जड़ों से, सदैव जुड़े रहना चाहिए।

मुझे आशा है कि यह पत्रिका अपने मनोहारी स्वरूप और कलात्मक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आपके नेत्रों के साथ-साथ आपके मन को भी आनंदित करेगी। पाठकों से विनम्र निवेदन है कि वे पत्रिका को अपना स्नेह, सहयोग एवं मूल्यवान सुझाव प्रदान करें।

श्वेता कुमारी
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

30 मार्च 2026 के अनुसार

मंडल कार्यालय हैदराबाद की कारोबार स्थिति

31.03.2026 तक मंडल कार्यालय हैदराबाद की स्थिति (आंकड़ें करोड़ में)							
मापदंड	31.03.25	31.03.24	31.03.25	30.06.25	30.09.25	31.12.25	31.03.26
कुल कारोबार	13822	14753	13822	14650	15041	15006	16277
बचत	1855	1941	1855	1887	1924	1952	2036
वर्तमान जमा	1690		1690	1709	1726	1776	1832
कासा	729	750	729	600	668	702	718
खुदरा सावधि जमा	2584	2691	2584	2487	2592	2654	2754
अन्य सावधि जमा	3873	3961	3873	3925	3978	4170	4216
सावधि जमा	1918	894	1918	2502	2401	1654	2258
कुल जमा	5791	4855	5791	6427	6379	5824	6474
कुल अग्रिम	8375	7546	8375	8914	8971	8478	9228
कुल खुदरा	5447	7207	5447	5736	6070	6528	7049
मुख्य खुदरा	3415	2753	3415	3670	3848	4100	4282
एमएसएमई	3358	2691	3358	3586	3817	4041	4236
कुल कृषि पीएस	978	837	978	1019	1136	1241	1295
कृषि गोल्ड	880	773	880	907	1000	1118	1393
कृषि पीएस (कृषि गोल्ड ऋण को छोड़कर)	391	309	391	361	401	526	659
अन्य अग्रिम	489	464	489	546	599	592	734
कुल अग्रिम (एसटीडी)	14	14	14	4	3	2	2
कुल खुदरा (एसटीडी)	5397		5397	5696	5919	6482	6989
एमएसएमई (एसटीडी)	3409		3409	3664	3813	4094	4284
कुल कृषि पीएस (एसटीडी)	950		950	1000	1077	1219	1271
कॉर्पोरेट_एडवांस (5 करोड़ ग्राहक)	865		865	891	943	1101	1367
एनपीए	160	160	160	137	82	65	51
	2687	2871	2687	414	390	385	394

सिर्फ़ पढ़े नहीं, सुने भी और देखें भी

पुरानी विरासत, नई डिजिटल सोच, परंपरा की ताकत और डिजिटल की रफ्तार

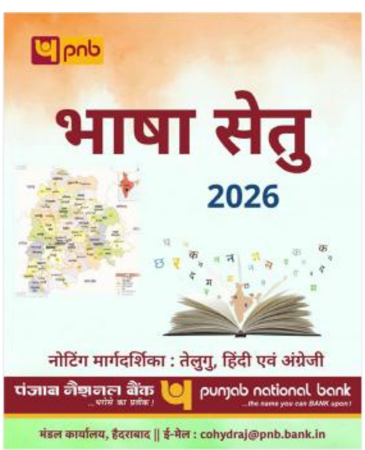

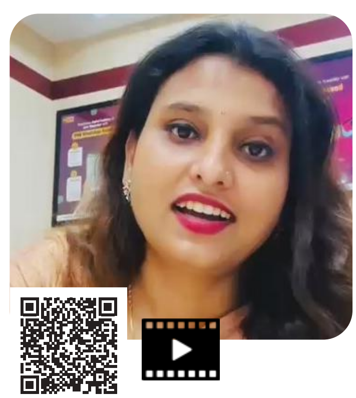

नोटिंग पर क्लिक करें

इस पत्रिका में दिए गए QR कोड को स्कैन कर वीडियो के रूप में सुन और देख सकते हैं। साथ ही, नोटिंग पर क्लिक करने से पूरी नोटिंग आसानी से देख सकेंगे।

जीवन का सार : निरंतर सीखना

सी .बी.विवेकानंद
उप मंडल प्रमुख
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

मनुष्य का जीवन निरंतर परिवर्तन और विकास की प्रक्रिया है। इस परिवर्तनशील संसार में यदि कोई व्यक्ति स्वयं को समय के अनुरूप ढालना चाहता है, तो उसके लिए सीखने की प्रक्रिया को कभी समाप्त नहीं करना चाहिए। यही कारण है कि सीखना केवल विद्यालय या महाविद्यालय तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह जीवन भर चलने वाली एक सतत यात्रा होनी चाहिए। जैसा कि एक प्रसिद्ध सूक्ति है-

"विद्या धनं सर्वधनप्रधानम्।"
अर्थात् विद्या सबसे श्रेष्ठ धन है।

सबसे पहले, ज्ञान का विस्तार जीवन के हर चरण में आवश्यक होता है। प्रारंभिक शिक्षा हमें आधार प्रदान करती है, परंतु वास्तविक जीवन में आने वाली चुनौतियाँ हमें नए कौशल और अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं। यदि हम सीखना बंद कर देते हैं, तो हमारा विकास भी रुक जाता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति निरंतर सीखते रहते हैं, वे नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को आसानी से ढाल लेते हैं। इसी संदर्भ में कहा गया है-

"सीखने की कोई आयु नहीं होती।"

आज का युग तकनीकी प्रगति का युग है। नई-नई तकनीकों, विचारों और नवाचारों का उदय हर दिन हो रहा है। ऐसे में यदि हम स्वयं को अद्यतन नहीं रखते, तो पीछे छूटने का खतरा बना रहता है। जीवन भर सीखने की प्रवृत्ति हमें प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखती है और हमें नए अवसरों के द्वार खोलने में सहायता करती है। इस पर एक सूक्ति है -

"जो सीखना छोड़ देता है, वह जीना छोड़ देता है।"

सीखना केवल व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व के समग्र विकास में भी सहायक होता है। जब हम नई-नई चीजें सीखते हैं, तो हमारा दृष्टिकोण व्यापक होता है, हमारी सोच में गहराई आती है और हम अधिक संवेदनशील एवं समझदार बनते हैं। इससे हमारे सामाजिक संबंध भी सुदृढ़ होते हैं। कहा भी गया है-

"ज्ञान बढ़ने से विनम्रता आती है, और विनम्रता से व्यक्तित्व निखरता है।"

जब हम सीखना बंद कर देते हैं, तब इसके नकारात्मक प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।सबसे पहले, व्यक्ति के जीवन में ठहराव आ जाता है। नई चीजें न सीख पाने के कारण वह स्वयं को दूसरों से पीछे महसूस करने लगता है, जिससे उसके भीतर हताशा उत्पन्न होती है।

जब हम बदलती परिस्थितियों को समझ नहीं पाते, तो छोटी-छोटी समस्याएँ भी हमें बड़ी लगने लगती हैं, जिससे चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है।

सीखने की प्रक्रिया रुकने से आत्मविश्वास में कमी आती है। व्यक्ति को लगता है कि वह कुछ नया नहीं कर सकता, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है। इस स्थिति को एक सूक्ति में बहुत सुंदर ढंग से व्यक्त किया गया है-

"अज्ञानता ही सभी दुःखों का मूल कारण है।"

इसके विपरीत, जीवन भर सीखते रहने से हम मानसिक रूप से सक्रिय रहते हैं। यह हमारे मस्तिष्क को सशक्त बनाता है और हमें हर परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने में मदद करता है। नई चीजें सीखने से हमें आत्मसंतोष और आत्मविश्वास की अनुभूति होती है, जो जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बनाती है। जैसा कि कहा गया है-

"ज्ञान ही शक्ति है।"

अंततः, यह कहा जा सकता है कि सीखना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका कोई अंत नहीं है। यह हमें न केवल ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि हमें एक बेहतर इंसान बनने की दिशा में भी अग्रसर करता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह जीवन के हर चरण में कुछ न कुछ नया सीखता रहेगा, क्योंकि -

"जीवन का सार ही निरंतर सीखना है।"

जीने की राह

श्रीमती सी. बी सविता
माता : श्री सी.बी विवेकानन्द
उप मंडल प्रमुख, हैदराबाद

सुबह की चाय की चुस्कियाँ लेती हुई बाल्कनी में बैठी थी। पास में दैनिक समाचार पत्र रखा हुआ था। बिना अखबार के चाय सूनी सूनी लगती है। रेडियो पर पुराने गीतों का कार्यक्रम चल रहा था। कानों में आवाज़ पड़ी। मन्ना दा गा रहे थे। "ज़िन्दगी कैसी है पहेली। कभी ये हंसाये, कभी ये रुलाये।" बस सोचने की सुई अटक गई गीत पर।

सच में आज तक ज़िन्दगी मेरे लिये पहेली ही बनी हुई है। शादी के 63 वर्ष हो गये। बच्चे बड़े हो गये, अपने अपने परिवार में व्यस्त हो गये। हमने जिसके साथ वैवाहिक सफर शुरू किया था, वो हमसफर भी 10 वर्ष पूर्व साथ छोड़ गये।

अब हम अपनी जिन्दगी के पूरे भागों का विवेचन करते रहते हैं। जिन्दगी की पहेली सुलझाने में लगे रहते हैं। कोई कहता है, "ये बिन्दगी उसी की है, जो किसी का हो गया"। पर साहब हम तो सबके होकर भी किसी के न हो सके।

अकेले आए थे, माता-पिता का घर छोड़ कर और अकेले ही रह गये। अम्मा की दी हुई सीख पर अमल करते रहे। हमेशा adjust करो, समझौता करो समझौता करते करते जिन्दगी गुज़र गई अब तो जिन्दगी से पूछती हूँ-

"ऐ ज़िन्दगी कब तक तेरे इशारों पर
अपने आप को बदलती रहूँ?
कुछ तो मुझमें अपना भी रहने दे।"

तो साहब ज़िन्दगी के सफ़र में हम चलते ही रहते हैं। कभी रुकने का नाम नहीं क्योंकि जो रुका वो गया। मैं भी अपना सफर जारी रखे हुए हूँ। आइए मैं अपने अनुभव से और दुनियादारी से आप को जीने की राह आसान बनाना बताती। अगर आप भी उसको अमल करने की कोशिश करेंगे तो ज़िन्दगी का सफ़र सुहाना बन जायेगा। आइए शुरू करते हैं -

1. सबसे मिलजुल कर रहे। अपने आप में श्रेष्ठता की भावना न लाए।
2. सच्चा सुखी व्यक्ति वही होता है जो दूसरों को खुशियाँ बाँटता है। सत्य काम करते चलिए फल जरूर मिलेगा
3. धर्म तो अनेक है हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई सिख परन्तु इन सबसे ऊपर है सच्चा धर्म मानवता । मानवता अपनाइए। लाचारों, दीन दुखियों को मदद करते रहियें।
4. लड़ाई-झगड़े, दुश्मनी से दूर रहिए। यदि कोई आपको पसंद नहीं करता तो उससे दूर रहिये। अपना आत्म सम्मान बनाये रखे।
5. ज़िन्दगी में अपना एक लक्ष्य बनाये रखे। बिना लक्ष्य के सफर करना व्यर्थ है। हम अपनी मंज़िल स्वयं तय करेंगे कि हमें कहाँ जाना है और क्या करना है? एक बार गिर कर जो उठता है, वही मंजिल तक पहुंचता है।
6. याद रखिए आपकी ज़िन्दगी आपकी अपनी है। सुंदर होनी चाहिए। भविष्य में आप यादों में अपनी पुरानी जिन्दगी की रील देखे तो सुंदर होना चाहिए।

अंत में आपसे कहना चाहूँगी प्रार्थना में बड़ी शक्ति होती है। प्रतिदिन प्रभु का स्मरण करें। कोई विशेष आडंबर नहीं। अपने मन में ही उस जगत् पिता का धन्यवाद करें जिसने हमें बिन माँगे ही सब कुछ दिया है। अधिक लालच न करें। ईर्ष्या से दूर रहें।

मैं भी प्रतिदिन ईश्वर का धन्यवाद करती हूँ जिसने मुझे ज़िन्दगी दी और जीने की राह को आसान बनाया।

मनीष कुमार सिंह
सहायक महाप्रबंधक
सी ए सी हैदराबाद

बैंक सेवाओं का विपणन

आधुनिक आर्थिक व्यवस्था में बैंक केवल धन जमा करने और ऋण देने तक सीमित नहीं रहे हैं, बल्कि वे विभिन्न वित्तीय सेवाओं के प्रदाता बन चुके हैं। ऐसे प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में बैंकों के लिए अपनी सेवाओं का प्रभावी विपणन (मार्केटिंग) करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। बैंक सेवाओं का विपणन वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बैंक अपने उत्पादों और सेवाओं को ग्राहकों तक पहुँचाते हैं और उन्हें उपयोग करने के लिए प्रेरित करते हैं।बैंक सेवाओं के विपणन का मुख्य उद्देश्य नए ग्राहकों को आकर्षित करना और मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखना है। इसके लिए बैंक विभिन्न प्रकार की रणनीतियों का उपयोग करते हैं। जैसे-विज्ञापन, प्रचार, व्यक्तिगत संपर्क, डिजिटल मार्केटिंग आदि। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से बैंक अपने ग्राहकों तक आसानी से पहुँच पा रहे हैं।बैंक अपने उत्पादों जैसे बचत खाता, चालू खाता, ऋण, क्रेडिट कार्ड, बीमा और निवेश योजनाओं को ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण के लिए, युवा ग्राहकों के लिए डिजिटल बैंकिंग और कैशबैक ऑफर आकर्षक बनाए जाते हैं, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित निवेश योजनाएँ और उच्च ब्याज दरें प्रमुख होती हैं। इस प्रकार, ग्राहक वर्ग के अनुसार सेवाओं का विपणन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

सेवा की गुणवत्ता भी विपणन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि बैंक अपने ग्राहकों को तेज़, सुरक्षित और सुविधाजनक सेवाएँ प्रदान करता है, तो ग्राहक स्वयं ही उस बैंक की ओर आकर्षित होते हैं। संतुष्ट ग्राहक दूसरों को भी उस बैंक की सेवाओं के बारे में बताते हैं, जिससे बैंक की प्रतिष्ठा बढ़ती है। इसे "माउथ पब्लिसिटी" या मौखिक प्रचार कहा जाता है।

ब्रांडिंग भी बैंक विपणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक मजबूत ब्रांड पहचान ग्राहकों में विश्वास उत्पन्न करती है। बैंक अपने लोगो, स्लोगन और सेवाओं की गुणवत्ता के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाते हैं। उदाहरण के लिए, विश्वसनीयता, सुरक्षा और ग्राहक संतुष्टि जैसे मूल्यों को प्रमुखता दी जाती है।

इसके अलावा, ग्राहक संबंध प्रबंधन (Customer Relationship Management भी विपणन का एक अहम हिस्सा है। इसके तहत बैंक अपने ग्राहकों की जरूरतों को समझकर उन्हें व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करते हैं। इससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ती हैं।

बैंक सेवाओं का प्रभावी विपणन बैंक की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। बदलते समय के साथ नई तकनीकों और रणनीतियों को अपनाकर बैंक अपने ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बना सकते हैं और प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकते हैं।

स्वाति शर्मा
अधिकारी
गाछीबावली शाखा

बैंकिंग सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ एवं हानियाँ

वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में तीव्र गति से बढ़ रहा है, जिसमें बैंकिंग क्षेत्र भी प्रमुख रूप से शामिल है। एआई के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को अधिक कुशल, त्वरित एवं ग्राहक-केंद्रित बनाया जा रहा है। यह तकनीक न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ाती है, बल्कि ग्राहकों के अनुभव को भी बेहतर बनाती है। तथापि, इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं, जिनका समुचित प्रबंधन आवश्यक है।एआई के प्रमुख लाभों में सबसे महत्वपूर्ण है-सेवाओं की गति एवं सटीकता में वृद्धि। एआई आधारित चैटबॉट एवं वर्चुअल असिस्टेंट के माध्यम से ग्राहकों को 24×7 सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पाता है। इसके अतिरिक्त एआई ग्राहकों के व्यवहार एवं लेन-देन के विश्लेषण के आधार पर उन्हें व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करता है, जिससे ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि होती है।इसके साथ ही, एआई धोखाधड़ी की पहचान एवं रोकथाम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह असामान्य लेन-देन की पहचान कर तुरंत अलर्ट जारी करता है, जिससे संभावित वित्तीय जोखिमों को कम किया जा सकता है। डेटा विश्लेषण एवं जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में भी एआई के उपयोग से बैंक अधिक प्रभावी निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। हालांकि, एआई के उपयोग से कुछ नकारात्मक पहलू भी सामने आते हैं। ऑटोमेशन के कारण पारंपरिक रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है, जो एक महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौती है। इसके अतिरिक्त, तकनीकी त्रुटियाँ या सिस्टम विफलता की स्थिति में सेवाओं में बाधा उत्पन्न हो सकती है, जिससे ग्राहकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।साइबर सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। एआई आधारित प्रणालियों में डेटा की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक ग्राहकों की गोपनीय जानकारी के दुरुपयोग का कारण बन सकती है। साथ ही, सभी ग्राहकों की तकनीकी समझ समान नहीं होती, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जिससे एआई आधारित सेवाओं का उपयोग सीमित हो सकता है।

यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने बैंकिंग क्षेत्र में नवाचार और दक्षता को बढ़ावा दिया है। तथापि, इसके प्रभावी एवं सुरक्षित उपयोग हेतु आवश्यक है कि बैंक तकनीकी उन्नयन के साथ-साथ सुरक्षा उपायों एवं मानव संसाधन विकास पर भी विशेष ध्यान दें, ताकि इसके लाभों को अधिकतम एवं हानियों को न्यूनतम किया जा सके।

सोनम शर्मा
अधिकारी
हाईटेक सिटी शाखा

बैंक में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

वित्तीय समावेशन के व्यापक संदर्भ में यह स्पष्ट होता है कि जहाँ तक महिलाओं के सशक्तिकरण का संबंध है, वहाँ तक उनकी आर्थिक भागीदारी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चाहे वह स्वयं सहायता समूहों से संबंधित योजनाएँ हों या आजीविका स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता, भारतीय बैंकिंग प्रणाली में महिलाओं के वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण हैं। विश्व बैंक की विभिन्न रिपोर्टों के माध्यम से यह सामने आया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना के अनुसार, महिलाएँ अपनी आय को बचाने, निवेश करने तथा आर्थिक योजनाओं में अधिक सक्रिय भूमिका निभाती हैं।एक विस्तृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को उद्यमिता के अवसर प्रदान किए जाएँ। यह महिलाओं को स्वरोजगार करने में मदद करता है। बैंकिंग संस्थान भी इस दिशा में महिलाओं के लिए विशेष योजनाएँ प्रारंभ करते हैं।

डॉ. प्रीति गोयल (फाइनेंस एंड अकाउंटिंग) के अनुसार:

वित्तीय सेवाओं (जैसे बैंक खाते, ऋण आदि) तक पहुँच रखने वाली महिलाएँ समाज में अधिक सशक्त बनती हैं। विश्व बैंक के ग्लोबल फाइंडेक्स डेटाबेस के अनुसार, विकसित देशों में वित्तीय समावेशन की दर अधिक है, जबकि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं के पास बैंक खाते होने की संभावना पुरुषों की तुलना में 9 प्रतिशत कम है।

संयुक्ता विजयकुमार चंहादे
प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

योशिता के
सुपुत्री:विनिला एन
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

कुशल बैंकिंग परिचालन और ग्राहक संतुष्टि

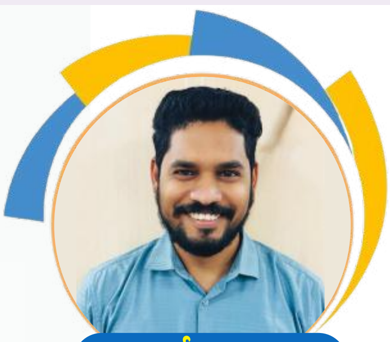

वाई राहुल
ग्राहक सेवा सहायक
ए आर एम् बी, हैदराबाद

आज के वैश्विक और डिजिटल युग में, बैंकिंग क्षेत्र किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। बैंकिंग अब केवल पैसे के लेन-देन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास, तकनीक और उत्कृष्ट सेवा का एक जटिल संगम बन चुकी है। इस प्रतिस्पर्धी बाजार में दो तत्व सबसे महत्वपूर्ण हैं: कुशल बैंकिंग परिचालन (Efficient Banking Operations) और ग्राहक संतुष्टि (Customer Satisfaction)। भारत के संदर्भ में, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंक इस संतुलन को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

1. कुशल बैंकिंग परिचालन का अर्थ और महत्व : कुशल बैंकिंग परिचालन का तात्पर्य बैंक की आंतरिक प्रक्रियाओं को इस तरह से व्यवस्थित करना है कि समय, धन और संसाधनों का कम से कम व्यय हो। इसमें ऋण प्रबंधन, जोखिम मूल्यांकन, और तकनीकी ढांचे का सुचारू संचालन शामिल है।

- **परिचालन दक्षता :** जब बैंक अपनी प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, तो वह कम लागत में अधिक सेवा प्रदान कर पाता है। उदाहरण के तौर पर, पीएनबी UNIV जैसे पोर्टल के माध्यम से कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षित करना परिचालन दक्षता बढ़ाने का एक शानदार तरीका है। प्रशिक्षित कर्मचारी कम समय में जटिल बैंकिंग कार्यों को निपटा सकते हैं।
- **जोखिम प्रबंधन:** कुशल परिचालन में त्रुटियों की संभावना न्यूनतम होती है। मजबूत 'केवाईसी' (KYC) और धोखाधड़ी निवारण तंत्र न केवल बैंक को वित्तीय नुकसान से बचाते हैं, बल्कि ग्राहकों के भरोसे को भी कायम रखते हैं।

2. ग्राहक संतुष्टि: बैंकिंग की सफलता का केंद्र

बैंकिंग एक सेवा-आधारित उद्योग है। यहाँ उत्पाद (बचत खाता, लोन आदि) लगभग सभी बैंकों के एक जैसे होते हैं, इसलिए जो चीज़ एक बैंक को दूसरे से अलग करती है, वह है उसकी सेवा की गुणवत्ता। ग्राहक संतुष्टि केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि बैंक की दीर्घकालिक सफलता का आधार है।

3. केस स्टडी: पंजाब नैशनल बैंक के नवाचार

पीएनबी ने कुशल परिचालन और ग्राहक संतुष्टि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जो इसे एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हैं:

- **डिजिटल क्रांति :** 'पीएनबी वन' (पीएनबी ONE) ऐप परिचालन कुशलता और ग्राहक संतुष्टि के साथ का एक बेहतरीन उदाहरण है। ग्राहक को फंड ट्रांसफर, चेक बुक अनुरोध, या एफडी खोलने के लिए शाखा जाने की आवश्यकता नहीं है। यह 'सेल्फ-सर्विस' मॉडल बैंक के परिचालन बोझ को कम करता है और ग्राहक को तत्पर सेवा

प्रदान करता है।

- **राजभाषा और स्थानीय जुड़ाव :** पीएनबी ने हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं (राजभाषा) के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को आम आदमी तक पहुँचाया है। जब कोई ग्राहक अपनी भाषा में बैंकिंग संवाद करता है, तो उसकी संतुष्टि का स्तर बढ़ जाता है। राजभाषा का कुशल प्रयोग परिचालन को सरल और सुलभ बनाता है।
- **प्रशिक्षण और विकास:** पीएनबी अपने कर्मचारियों के कौशल विकास पर बहुत जोर देता है। एक जानकार बैंकर ही ग्राहक की समस्याओं का तुरंत समाधान कर सकता है, जिससे परिचालन में तेजी आती है।

4. कुशल परिचालन और संतुष्टि का अंतर्संबंध

कुशल परिचालन सीधे तौर पर ग्राहक के अनुभव को प्रभावित करता है। इसे निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है:

- **त्वरित सेवा :** यदि बैंक का बैक-एंड ऑपरेशन कुशल है, तो ऋण की मंजूरी की प्रक्रिया तेज हो जाती है। 'रिटेल लोन' के लिए पीएनबी के केंद्रीकृत प्रसंस्करण ने प्रक्रियाओं को तेज और पारदर्शी बनाया है, जिससे ग्राहक को अनावश्यक चक्कर नहीं काटने पड़ते।
- **त्रुटिहीन अनुभव:** डिजिटल भुगतान प्रणालियों में यदि तकनीकी विफलता कम हो, तो ग्राहक का विश्वास बढ़ता है। कुशल बैंक अपने सर्वर और सॉफ्टवेयर को हमेशा 'अपडेट' रखते हैं।
- **पारदर्शिता:** कुशल परिचालन यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक को हर शुल्क और नियम की स्पष्ट जानकारी हो। पीएनबी द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सर्कुलर और पारदर्शी नीतियां इसी दिशा में एक कदम हैं।

5. तकनीकी नवाचार और भविष्य की चुनौतियां

डिजिटलीकरण ने बैंकिंग के चेहरे को पूरी तरह बदल दिया है। 'फिनटेक' और 'एआई' ने परिचालन कुशलता को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस :** अब ग्राहकों को छोटी समस्याओं के लिए बैंक फोन करने की जरूरत नहीं है। पीएनबी जैसे बैंक चैटबॉट्स का सहारा ले रहे हैं, जो 24/7 सहायता प्रदान करते हैं।
- **साइबर सुरक्षा:** जैसे-जैसे बैंकिंग डिजिटल हो रही है, साइबर धोखाधड़ी का खतरा बढ़ गया है। कुशल परिचालन का एक मुख्य हिस्सा यह है कि बैंक अपने सुरक्षा तंत्र को इतना मजबूत रखे कि ग्राहक का पैसा सुरक्षित रहे। एक भी सुरक्षा चूक ग्राहक के भरोसे को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है।

6. ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग

पीएनबी की एक बड़ी विशेषता इसकी ग्रामीण पहुंच है। कुशल परिचालन यहाँ चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता की कमी होती है। यहाँ 'डोरस्टेप बैंकिंग' और 'बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स' (BCs) का मॉडल परिचालन कुशलता और मानवीय संतुलन बनाता है, जिससे ग्रामीण ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित होती है।

7. परिचालन सुधार और संतुष्टि बढ़ाने के सुझाव

1. **प्रक्रियाओं का सरलीकरण :** ऋण आवेदन से लेकर खाता बंद करने तक की प्रक्रियाओं को जितना 'पेपरलेस' बनाया जाएगा, दक्षता उतनी ही बढ़ेगी।
2. **कर्मचारी व्यवहार :** तकनीकी दक्षता के साथ-साथ कर्मचारियों में सहानुभूति और 'सॉफ्ट स्किल्स' का होना अनिवार्य है। ग्राहक के प्रति बैंक अधिकारी का व्यवहार ही बैंक की छवि तय करता है।
3. **निरंतर फीडबैक :** ग्राहकों से प्राप्त सुझावों और शिकायतों का विश्लेषण कर परिचालन प्रणालियों में बदलाव करना चाहिए।

कुशल बैंकिंग परिचालन और ग्राहक संतुष्टि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। एक बैंक अपनी बैलेंस शीट को तभी मजबूत रख सकता है जब उसके परिचालन में पारदर्शिता और गति हो, और उसका केंद्र बिंदु ग्राहक हो। पंजाब नैशनल बैंक ने "आपका अपना बैंक" की विचारधारा और आधुनिक तकनीक के समन्वय से यह सिद्ध किया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी कुशलता और संतुष्टि के ऊंचे मानक स्थापित कर सकते हैं। भविष्य की बैंकिंग केवल वित्तीय लेनदेन के बारे में नहीं, बल्कि ग्राहक के जीवन को सरल बनाने के बारे में होगी।

संकलित

मुंशी प्रेमचंद का हिन्दी साहित्य में योगदान

नानी जे किशोर
वरिष्ठ प्रबंधक(सू. प्रौ.)
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

मुंशी प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के बहुत बड़े और महान लेखक थे। उन्हें आधुनिक हिन्दी कहानी और उपन्यास का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने लेखन में सच्चे जीवन को दिखाया। उनकी रचनाओं में आम लोगों की जिंदगी, उनके दुख-दर्द और संघर्ष साफ दिखाई देते हैं। उन्होंने खासकर गरीबों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की समस्याओं को अपनी कहानियों में जगह दी।

प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यासों में गोदान, गबन, निर्मला और सेवासदन बहुत प्रसिद्ध हैं। गोदान में एक गरीब किसान होरी की कहानी है, जो अपनी छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जीवनभर मेहनत करता है, लेकिन परिस्थितियाँ उसका साथ नहीं देतीं। निर्मला में बाल विवाह की समस्या और उसके दुखद परिणामों को दिखाया गया है। गबन में लालच और सही-गलत के बीच का संघर्ष बताया गया है। सेवासदन में महिलाओं की स्थिति और समाज की सोच को दर्शाया गया है। इन सभी रचनाओं में समाज की सच्चाई दिखाई देती है।

उनकी लेखन शैली बहुत सरल और आसान थी। उन्होंने कठिन शब्दों का उपयोग नहीं किया, बल्कि ऐसी भाषा में लिखा जिसे हर कोई समझ सके। यही कारण है कि उनकी कहानियाँ सीधे लोगों के दिल तक पहुँचती हैं। उनके पात्र भी बहुत जीवंत होते हैं, जैसे वे हमारे आसपास के ही लोग हों।

प्रेमचंद की सोच समाज को सुधारने की थी। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से गरीबी, जाति भेद, दहेज प्रथा और अन्य बुरी परंपराओं के खिलाफ आवाज उठाई। वे चाहते थे कि समाज में सभी लोगों को बराबरी का अधिकार मिले और सबके साथ न्याय हो।

उनकी रचनाओं ने लोगों के मन पर गहरा असर डाला। उन्होंने पाठकों को सोचने पर मजबूर किया और समाज में बदलाव की प्रेरणा दी। उनका साहित्य लोगों के दिलों को छूता है और उन्हें सही रास्ता दिखाता है।

आज भी प्रेमचंद का साहित्य उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसमें जीवन की सच्चाई और इंसानियत की भावना साफ दिखाई देती है। उनकी रचनाएँ हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती हैं।

बैंक में आयोजित "ताल तरंग": प्रतिभा, उत्साह और रचनात्मकता का संगम

प्रियंका भार्गव
उप प्रबंधक
आरसीसी, हैदराबाद

व्यस्त कार्यजीवन के बीच कर्मचारियों के मनोबल को ऊँचा बनाए रखना और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए हमारे बैंक में "ताल तरंग" नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि ऊर्जा, उत्साह और सृजनात्मकता का जीवंत उत्सव बनकर उभरा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को गरिमा और सकारात्मकता से आलोकित कर दिया। "ताल तरंग" की विशेषता इसका सुव्यवस्थित त्रिस्तरीय स्वरूप रहा, जिसमें मंडल स्तर, अंचल स्तर तथा प्रधान कार्यालय स्तर पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रत्येक चरण में प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करते हुए अगले स्तर के लिए स्थान प्राप्त किया। इस सुनियोजित प्रक्रिया ने न केवल कार्यक्रम को रोचक बनाया, बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम में प्रस्तुत विविध रंगों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मधुर संगीत की स्वर लहरियाँ, नृत्य की मनमोहक अभिव्यक्तियाँ और नाट्य प्रस्तुतियों के प्रभावशाली संदेशों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। "ताल तरंग" ने कर्मचारियों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने का सशक्त मंच प्रदान किया, जिससे उनके भीतर आत्मविश्वास और आपसी सहयोग की भावना और भी प्रबल हुई।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट एवं उच्चतम प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनकी उपलब्धियों का प्रतीक था, बल्कि अन्य प्रतिभागियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना।

अंततः "ताल तरंग" केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि संगठनात्मक एकता, सौहार्द और सृजनात्मकता का प्रतीक बनकर सामने आया। इस अवसर पर एमडी एवं ईडी महोदय ने प्रतिभागियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कार्यक्रम की भव्यता से प्रभावित होकर यह घोषणा की कि "ताल तरंग" का आयोजन अब प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से किया जाएगा। निस्संदेह, यह आयोजन सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

पीएनबी खेल उत्सव एवं ताल तरंग 2025-26

आई मणिकंटा साई
प्रबंधक (सू.प्रौ)
मंडल कार्यालय हैदराबाद

कई वर्षों के अंतराल के बाद, पंजाब नैशनल बैंक ने कोविड के बाद फिर से खेल उत्सव और ताल तरंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य देशभर में कार्यरत अपने कर्मचारियों को तनावमुक्त करना और उनमें नई ऊर्जा का संचार करना था।

यह कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से सभी शाखाओं, मंडलों और अंचलों में आयोजित किया गया तथा इसका अंतिम चरण मुख्यालय में आयोजित किया गया।

देशभर से प्रतिभागी फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए दिल्ली स्थित मुख्यालय में एकत्रित हुए। इस दौरान हमें विभिन्न प्रकार के नृत्य कलाओं का अनुभव हुआ, जिनमें भारत के अलग-अलग राज्यों के शास्त्रीय नृत्य भी शामिल थे। इसके साथ-साथ नाटक और लघु प्रस्तुतियाँ (स्किट्व) भी प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने हमें एक अलग ही दुनिया का अनुभव कराया। कुछ प्रस्तुतियाँ अत्यंत प्रभावशाली, हृदयस्पर्शी और ऊर्जा से भरपूर थीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताएँ भी खेल मैदानों में आयोजित की गईं, जिनमें क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज जैसे विभिन्न खेल शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन पुरुषों और महिलाओं के लिए एकल (Singles) तथा युगल (Doubles) श्रेणियों में किया गया। सभी प्रतियोगिताएँ निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

अंत में कार्यक्रम का समापन हमारे आदरणीय एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र जी के संबोधन के साथ हुआ, जिसके बाद पुरस्कार वितरण तथा भोजन का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों और दर्शकों ने दिल्ली में इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और पूरे महीने अपनी तैयारियों तथा अभ्यास में पूर्ण रूप से जुड़े रहे।

2025-26 के खेल उत्सव एवं ताल तरंग की शानदार सफलता और उत्साहजनक प्रतिक्रिया को देखते हुए हमारे एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र जी ने घोषणा की कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन अब हर वर्ष किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2027 से प्रतिभागियों को अन्य बैंकों के साथ भी प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल सकता है, जबकि इस वर्ष यह प्रतियोगिता केवल पीएनबी के प्रतिभागियों तक ही सीमित थी।

सभी विजेता और उपविजेता इस प्रतियोगिता में शानदार सफलता के साथ उभरकर सामने आए और अन्य प्रतिभागी भी उतने ही प्रसन्न थे, क्योंकि उन्हें ऐसे उत्कृष्ट कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

कलाकृतियाँ

तक्ष
सुपुत्र : श्रीमती शशि रेखा जे
प्रबंधक विपणन

पर्णिका
सुपुत्री : श्रीमती शशि रेखा जे
प्रबंधक विपणन

जे. रीतिका रेचल
सुपुत्री :जे नानी किशोर
वरिष्ठ प्रबंधक (सू.प्रौ

शिव चेतन सुनकु
सुपुत्र:निरंजन सुनकु
प्रबंधक

सुमन स्वर्णकार
हेड कैशियर
हाईटेक सिटी शाखा

एस हरीश कुमार
सिस्टम एडमिन
मंडल कार्यालय हैदराबाद

एक पैगाम माँ के नाम

सौधा कार्तिक
ग्राहक सेवा सहयोगी
मोंदिकोंडा शाखा

जब दुनिया मुझे समझ नहीं पाती,
आप मुझे समझ लेती हैं।
जब मैं टूट जाता हूँ,
आप मुझे फिर से जोड़ देती हैं।

आप सिर्फ मेरी माँ नहीं हैं...
आप मेरी सबसे बड़ी ताकत,
मेरी सच्ची दोस्त,
और मेरी पूरी दुनिया हैं।

अगर कभी मैंने आपको दुख दिया हो,
तो मुझे माफ कर दीजिए।
मेरे दिल में आपके लिए जो प्यार है,
वो कभी कम नहीं होगा।

भगवान से बस यही दुआ है कि
मुझे हर जन्म में आप जैसी माँ मिले...
मैं आपसे बहुत, बहुत प्यार करता हूँ माँ...

मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि अगर आप मेरी ज़िंदगी में नहीं होतीं,
तो मैं क्या होता... शायद कुछ भी नहीं।
आपने हमेशा मुझे संभाला, तब भी जब मैं खुद को संभाल नहीं पाता था।
आपने मेरी हर गलती को माफ किया, हर कमी को अपनाया,
और हर मुश्किल में बिना कुछ कहे मेरे साथ खड़ी रहीं।
मुझे याद है वो रातें जब आप मेरे लिए जागती थीं,
वो दिन जब आपने अपनी खुशियों से पहले मेरी खुशियों को चुना।
आपने कभी शिकायत नहीं की-
लेकिन अब समझ आता है कि आपने कितनी बार
अपने आप को पीछे रखा, सिर्फ मेरे लिए।
माँ, मैं शायद कभी आपको वो सब नहीं दे पाऊँ
जो आप डिज़र्व करती हैं...
लेकिन एक बात सच है-मैं आपसे बहुत प्यार करता हूँ।

श्रेया टी कोपले
भतीजी:बालाजी कोपले
प्रबंधक (विपणन)

संस्मरण

शिक्षा

निधि गुप्ता
वरिष्ठ ग्राहक सहयोगी
गच्चिबौली शाखा

हर शाम जब मैं वापस घर आती हूँ तो घर के पास, मैदान में प्रायः कुछ छोटे बच्चें खेलते हुए दिख जाते हैं। इन बच्चों को खेलते हुए देख कर मुझे अपना बचपन याद आ जाता है। मेरा बचपन एक छोटे से कस्बे में गुज़रा है।

उन दिनों मैं आठवी कक्षा में पढ़ती थी। मेरे घर के पास में ही कविता का घर था, वो लगभग मेरे ही उम्र की थी। कविता सीधी सी कम बोलने वाली लड़की थी और उसका एक बड़ा भाई भी था। वो पढ़ाई नहीं करता था। आये दिन उसके लड़ाई झगड़ो की शिकायतें आती रहती थी। कई बार उसके पिताजी उसे इतने तेज डांटते थे कि आवाज़ घर के बाहर तक सुनाई देती थी। कुल मिला कर लड़का पूरा बिगड़ चुका था।

एक दिन कविता की माँ हमारे घर पर आयीं। उनके आने का कारण जान कर, हम आश्चर्यचकित रह गए। वो हमें कविता के भाई की शादी का न्योता देने आयीं थी। मेरी माँ ने आश्चर्य से पूछा "अरे शादी! अभी उसकी उम ही क्या है, और वो तो अभी कुछ काम भी नहीं करता।" उन्होने कहा की आप तो जानती ही हैं, कितना बिगड गया है। कविता के पिता कहते हैं की शादी होगी तो ज़िम्मेदारी आएगी तब सुधर जायेगा और फिर लड़की भी अच्छी मिल गयी है तो शुभ काम में देरी क्यूँ करे। कविता की माँ ने बताया की लड़की कविता से कुछ छोटी है, मतलब कुछ 13-14 वर्ष की। घर का सारा काम भी जानती है। माँ ने उन्हें थोड़ा समझाने की कोशिश की पर वो समझना ही नहीं चाहती थी। क्योंकि शादी उनके गाँव से थी इसलिए वो सिर्फ औपचारिकता के लिए ही न्योता लेकर आयी थी। फिर वो सब अपने गाँव चले गए।

कुछ महीनों बाद वे वापस आए तो उनके साथ एक दुबली-पतली सी लड़की, जो कविता की भाभी थी साथ आयी। उसका नाम सुधा था और वो लंबा सा घूंघट लिए हुये थी।

अब कविता के घर का सारा काम सुधा के ही जिम्मे था। माँ ने बताया कि सुधा बड़ी जल्दी जाग कर देर रात तक घर का सारा काम करती रहती है। एक दिन मैं कुछ काम से कविता के घर गयी। उस समय घर पर कविता और सुधा के अलावा कोई नहीं था। तो कविता ने मुझे भीतर बुला लिया। कुछ देर बाद सुधा पानी का ग्लास लेकर आयी। उसका घूँघट अभी भी उतना ही लंबा था। कविता ने कहा "भाभी, ये मेरी सहेली है, आप घूँघट उठा सकती हो। उस दिन मैंने पहली बार सुधा को देखा। वो पहले से और पतली हो गयी थी और उसका भाव-शून्य चेहरा बिलकुल पीला पड़ा हुआ था। सुधा पानी का ग्लास रख कर चली गयी।

दिसम्बर महीने के आखरी दिन चल रहे थे और सर्दियाँ पूरे ज़ोरों पर थी। शाम होते ही सड़को पर सन्नाटा छा जाया करता था। वो उस साल की आखरी और शायद सबसे सर्द रात थी। हाँ, बाहर से कुछ शोर-गुल और संगीत की आवाज़े आ रही थीं, मोहल्ले के कुछ लोग नए साल का समारोह माना रहे थे। खैर, हम तो दरवाजा बंद करके अंदर ही बैठे थे। अचानक बाहर से आती हुई संगीत की आवाज़ बंद हो गयी और सन्नाटा छा गया।

खिड़की से बाहर झांक कर देखा तो कविता के घर के बाहर लोगो की भीड़ जमा थी। कविता के भाई के साथ सड़क दुर्घटना हुयी थी। नए साल की मस्ती में दारू पीकर और दो लड़को के साथ तेज गति से गाड़ी चला रहा था,

गाड़ी सड़क के किनारे खड़े लोहे के सरियों से भरे ट्रक से टकरा गयी और वो सरिये तीनों लड़को के शरीर से आर-पार हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गयी। बाहर सिर्फ रोने की आवाज़े आ रही थी और सुधा का रुदन सुनकर सबका कलेजा फटा जा रहा था। पर ये क्या। कविता की माँ ने सुधा को धक्का मारते हुये दूर कर दिया और कहा तू मनहूस है तू ही मेरे बेटे को खा गयी। मैं तेरा मुँह भी नहीं देखना चाहती। हमे अपने कानों पर यकीन नहीं हो रहा था कि आज भी लोग ऐसे निम्न विचार रखते हैं। वहाँ खड़ी महिलाओं ने उन्हे बहुत समझाया पर उन्होने एक ना सुनी। अंततः सुबह सुधा के घर वाले उसे अपने साथ ले गए। वो आखिरी बार था जब मैंने सुधा को देखा था। कविता के घर वालो को उसके भाई की मौत का इतना बड़ा सदमा लगा की वो यहाँ से सब कुछ छोड़ कर अपने गाँव चले गए। कुछ समय बाद पता चला कि कविता की भी शादी हो गयी है पर सुधा की कोई खबर ना मिली।

अब मैं बाहरवी पास कर चुकी थी और आगे की पढ़ाई के लिए मुझे पास के शहर के कॉलेज में दाखिला भी मिल गया था। मैं वहाँ छात्रावास में रहती थी। एक दिन भोजन करते समय पूजा नाम की एक लड़की मेरे साथ आकार बैठ गयी। हमारी बातें शुरू हुई अपने कॉलेज और पढ़ाई के बारे मे बातें हुई। उसने मुझसे पूछा की तुम कहाँ की रहने वाली हो? मैंने अपने कस्बे का नाम बताया तो पूजा ने कहा, "अच्छा । तुम वहाँ की रहने वाली हो? क्या तुम सुधा को जानती थी?" सुधा का नाम सुनकर मैं चौंक गयी। मैंने पूछा वही सुधा ना जो (सुधा की कहानी बता कर मैंने सुनिश्चित किया)। पूजा ने कहा "हाँ, वही सुधा"। मैंने पूछा की तुम सुधा को कैसे जानती हो? पूजा ने कहा की वो मेरे ही गाँव की थी, ससुराल से निकाले जाने के बाद उसकी दुबारा शादी हो गयी थी। ये सुनकर मैं थोड़ा खुश हुई कि चलो हमारा समाज कुछ आगे बड़ गया है पर अगले ही पल मेरी खुशी गायब हो गयी, जब मैंने सुना की सुधा की शादी एक 40-42 साल के आदमी से हुई जिसके दो 17-18 साल के बेटे भी थे। मतलब, अब सुधा अपने से बड़े उम्र के लड़को की माँ बन गयी थी। पर उसके जीवन में अभी और संघर्ष बाकी था। दो वर्ष पूर्व अपनी पहली संतान को जन्म देते हुये सुधा की मृत्यु हो गयी। 14-15 वर्ष की आयु में अपरिपक्व शरीर और ऐसी मानसिक स्थिति से गुजरने के बाद सुधा ये सब सहन नहीं कर पायी होगी शायद। उस दिन सुधा के लिए बहुत दुःख हुआ।

कुछ वर्ष और बीत गए और मेरी पढ़ाई भी पूरी हो गयी। अब मैं बैंक में कार्यरत थी। उन दिनों मेरी नियुक्ति एक ग्रामीण शाखा में थी। बैंक की सी-एस-आर गतिविधियों (CSR Activity) के तहत गाँव के शासकीय पाठशाला में जाना हुआ वहाँ मनीषा नाम की एक छात्रा से मिली। मनीषा बहुत होशियार और चंचल लड़की थी। उसका गाँव पास में ही था। वो रोज साइकल से विद्यालय आती थी। मैं मनीषा से काफी प्रभावित हुई।

जहाँ तक मुझे याद हैं, बैंक में काम करने वालो के जीवन मे दो अभूतपूर्व घटनाएँ घटी हैं। एक तो जन-धन योजना और दूसरा नोट बंदी। वो जन-धन योजना में खाते खुलवाने का दौर था। क्या बड़ा, क्या छोटा, क्या अमीर और क्या गरीब। बस सबको जन-धन खाता खुलवाना था। एक दिन हमेशा की तरह मैं अपने काम में व्यस्त थी तभी एक युवक ने आकर कहा "दीदी । मेरी पत्नी का खाता खुलवाना है"। मैंने देखा युवक के पीछे चटक रंग की साड़ी और हाथों में ढेर सारी चुड़ियों पहने एक युवती खड़ी थी। युवती ने मुझे देखते ही कहा,

"अरे दीदी आप । मुझे पहचाना, मैं मनीषा। अरे हाँ। ये तो पाठशाला वाली मनीषा ही है। मैंने कहा तुम्हारी शादी कब हुई? उसने बताया "कुछ महिने पहले ही, मैं घर में सबसे बड़ी थी ना तो पिताजी ने जल्दी शादी करा दी। पर मनीषा काफी खुश दिख रही थी। मैंने उसकी पढ़ाई की बारे में पूछा तो उत्साहित होकर बोली, "अभी कॉलेज के पहले साल में हूँ दीदी, मेरे ससुर और पति बहुत अच्छे हैं उन्होने मुझे मेरी पढ़ाई जारी रखने को कहा है"

मनीषा के ससुर गाँव के प्रतिष्ठित व्यक्ति और बैंक के पुराने ग्राहक थे। उनकी गाँव में काफी खेती-बाड़ी थी, जिसका सारा काम उनका बेटा यानी मनीषा का पति देखता था। उन लोगो का अक्सर बैंक में आना-जाना लगा रहता था, पर इन दिनो कई महीनों से मनीषा के ससुर और पति बैंक नहीं आए थे।

कुछ महीनों बाद मनीषा और उसके ससुर बैंक में आये। मैंने मनीषा को देखा, वो बहुत चटक और रंग भरी साड़िया पहनती थी पर आज हल्के रंग की साधारण सी साड़ी पहने हुये थी। तभी उसके ससुर मेरी तरफ आये और उन्होने बताया कि खेतों में काम करते समय बिजली का झटका लगने से उनके बेटे कि मृत्यु हो गयी है। बेटे के खाते में मनीषा नामांकित थी। आज इसी सिलसिले में उनका बैंक आना हुआ था। मैंने मनीषा कि तरफ देखा और अचानक ही सुधा का चेहरा सामने आ गया। मैं मनीषा के पास गयी और उसे हिम्मत रखने को कहा। तो मनीषा ने आत्मविश्वास से कहा, "दीदी, अब माँ-बाबूजी (सास-ससुर) का मैं ही सहारा हूँ और बाबूजी के साथ खेती और मंडी का हिसाब किताब भी देखती हूँ। माँ कि तबीयत भी ठीक नहीं रहती है तो उनका भी ख्याल रखना होता है।" मनीषा कि यह हिम्मत सरहनीय थी। हमारे शाखा प्रबंधक ने उनको पूरी सहायता करने का आश्वासन दिया।

कुछ समय बाद एक दिन मनीषा के ससुर बैंक आए। मैंने उनसे मनीषा का हाल-चाल पूछा। उन्होने कहा "मनीषा घर के काम के साथ-साथ हमारी बहुत सेवा करती है खेती का हिसाब-किताब रखने में मेरी सहायता करती है, खुद पढ़ाई भी करती है और जो खाली समय बचता है उसमे गाँव के बच्चों को पढ़ाती भी है। पढ़ने लिखने का बहुत शौक है उसे। मैंने कहा अगर मनीषा को पढ़ाने का शौक है तो वो शिक्षक भर्ती परीक्षा क्यूँ नहीं देती? मैंने उन्हे शासकीय प्राथमिक विध्यालय में शिक्षक-पद भर्ती के विज्ञापन के बारे में बताया जो आज के अखबार में ही प्रकाशित हुया था। यह सुनकर वो काफी उत्साहित हुये और ठीक है कहकर चले गए।

अब मेरा स्थानांतरण हो चुका था। आते समय बहुत इच्छा थी की मनीषा से एक बार मिल लूँ पर सब इतने जल्दी-जल्दी में हो गया की समय ही नहीं मिल पाया। मुझे नयी जगह पर आकर 5-6 महीने हो गए थे। एक दिन पुरानी शाखा से एक सहकर्मी का फोन आया और उसने कहा, "एक लड़की आपसे बात करना चाहती है"। मैंने फोन देने के लिए कहा। वहाँ से आवाज आई, "दीदी, मैं मनीषा, आप यहाँ से कब चली गयी? मैं आपसे मिलने आयी थी। मेरा चयन शिक्षक पद भर्ती परीक्षा में हो गया है और नियुक्ति भी गाँव मे ही मिल गयी है। माँ बाबूजी भी बहुत खुश है। मैंने उसे शुभकामनाएँ दी और अपना व परिवार का ख्याल रखने को कहा।

एक पुरुष को पढ़ाने से एक व्यक्ति शिक्षित होता है जबकि अगर एक स्त्री को शिक्षा दी जाए तो पूरा परिवार और फिर वह समाज भी शिक्षित होता है।

'ग्रीन डिपॉजिट और ग्रीन फायनांस: चुनौतियां एवं अवसर'

शेख तौकिर हसन
प्रबंधक (विधि)
ए.आर.एम.बी हैदराबाद

आज के समय में पृथ्वी एक गंभीर पर्यावरणीय संकट का सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और जैव विविधता का ह्रास हमें यह संकेत दे रहे हैं कि विकास की वर्तमान दिशा पर पुनर्विचार करना आवश्यक है। ऐसे में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए "ग्रीन डिपॉजिट" और "ग्रीन फाइनेंस" जैसे विचार अत्यंत महत्वपूर्ण बन गए हैं।

ग्रीन डिपॉजिट वह धनराशि है जिसे बैंक और वित्तीय संस्थाएँ विशेष रूप से पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं में निवेश के लिए सुरक्षित रखती हैं। वहीं, ग्रीन फाइनेंस का अर्थ है ऐसी पूंजी, जो नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, स्वच्छ परिवहन, ऊर्जा दक्षता और हरित तकनीकों में निवेश की जाती है। इसका उद्देश्य केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि एक स्वच्छ, स्वस्थ और सतत भविष्य का निर्माण करना है।

यदि हम समाज के दृष्टिकोण से देखें, तो ग्रीन फाइनेंस एक नई सोच को जन्म देता है। यह लोगों में पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाता है और यह संदेश देता है कि निवेश केवल मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि प्रकृति की रक्षा के लिए भी किया जा सकता है। इससे स्वच्छ ऊर्जा और हरित परियोजनाओं को बढ़ावा मिलता है, जिससे समाज को शुद्ध हवा, साफ पानी और बेहतर जीवन स्तर मिलता है। साथ ही, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य का निर्माण करता है। ग्रीन फाइनेंस के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार और प्रशिक्षण के नए अवसर भी उत्पन्न होते हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक असमानता को कम करने में मदद मिलती है।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए भी ग्रीन डिपॉजिट और ग्रीन फाइनेंस एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक हैं। आज बैंक केवल लेन-देन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। ग्रीन डिपॉजिट के माध्यम से बैंक ऐसे ग्राहकों से जुड़ते हैं जो पर्यावरण के प्रति जागरूक हैं, जिससे उनकी छवि एक उत्तरदायी संस्था के रूप में मजबूत होती है। इसके अलावा, बैंक ग्रीन फिक्स्ड डिपॉजिट, ग्रीन लोन और पर्यावरणीय बीमा जैसे नए उत्पाद विकसित कर सकते हैं, जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने और डिजिटल तकनीकों जैसे AI, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग से ग्रीन प्रोजेक्ट्स

की निगरानी भी बेहतर की जा सकती है।

प्रकृति के दृष्टिकोण से ग्रीन फाइनेंस एक सकारात्मक पहल है। यह पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई करने का प्रयास करता है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती जैसी परियोजनाओं में निवेश से प्रदूषण कम होता है और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है। यह विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक है और यह संदेश देता है कि प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि हमारी साझेदार है।

हालांकि, ग्रीन डिपॉजिट और ग्रीन फाइनेंस के सामने कई चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी समस्या है "मानकीकरण की कमी" — यह तय करना कठिन होता है कि कौन-सी परियोजना वास्तव में 'ग्रीन' है। इससे "ग्रीनवॉशिंग" का खतरा बढ़ जाता है, जहाँ सामान्य परियोजनाओं को भी हरित बताकर निवेश प्राप्त किया जाता है। इसके अलावा, पारदर्शिता की कमी भी एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि यह सुनिश्चित करना कठिन होता है कि जमा की गई राशि वास्तव में पर्यावरणीय परियोजनाओं में ही खर्च हो रही है।

जोखिम और रिटर्न का मुद्दा भी महत्वपूर्ण है। कई ग्रीन परियोजनाएँ नई तकनीकों पर आधारित होती हैं, जिनमें वित्तीय जोखिम अधिक और लाभ अनिश्चित हो सकता है। इसके साथ ही, आम जनता में ग्रीन फाइनेंस के प्रति जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। सरकारी नीतियों और प्रोत्साहनों का अभाव भी इस क्षेत्र की प्रगति में बाधा बनता है।

फिर भी, इन चुनौतियों के बीच अनेक अवसर मौजूद हैं। ग्रीन फाइनेंस पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायक है। यह नए रोजगार सृजित करता है, विशेषकर सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहन और वेस्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, यह नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देता है, जिससे नई पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों का विकास होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ग्रीन फाइनेंस सहयोग, निवेश और व्यापार को प्रोत्साहित करता है, जिससे वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है।

यदि ग्रीन फाइनेंस को अपनाया नहीं गया, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ेगी। भविष्य की पीढ़ियों को प्रदूषित वातावरण, जल संकट और जीवन के लिए खतरे का सामना करना पड़ेगा। इससे अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान हो सकता है।

अतः यह आवश्यक है कि सरकार, बैंक और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करें। स्कूलों और कॉलेजों में ग्रीन फाइनेंस की शिक्षा दी जानी चाहिए, जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए और ग्रीन निवेश को एक सामाजिक आंदोलन का रूप देना चाहिए।

अंततः, ग्रीन डिपॉजिट और ग्रीन फाइनेंस केवल वित्तीय साधन नहीं हैं, बल्कि एक जिम्मेदार सोच का प्रतीक हैं। यह हमें सिखाते हैं कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। जब हम ग्रीन परियोजनाओं में निवेश करते हैं, तो हम केवल लाभ नहीं कमाते, बल्कि पृथ्वी को सुरक्षित और जीवन को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं। यही वह समझदारी है, जिसे आज अपनाना समय की मांग है।

पी प्रकाश कुमार
ग्राहक सेवा सहयोगी
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

विश्व युद्ध की तरफ बढ़ता विश्व

आज का विश्व तेजी से बदल रहा है। विज्ञान और तकनीक के विकास ने जहाँ मानव जीवन को आसान बनाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय तनाव और संघर्ष भी बढ़ते जा रहे हैं। विभिन्न देशों के बीच बढ़ती दुश्मनी और हथियारों की होड़ यह संकेत देती है कि विश्व धीरे-धीरे एक और विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहा है।

वर्तमान समय में कई देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। बड़ी शक्तियाँ जैसे अमेरिका, चीन और रूस अपने-अपने हितों को लेकर टकराव की स्थिति में हैं। मध्य-पूर्व में संघर्ष, सीमा विवाद और राजनीतिक अस्थिरता ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

इन तनावों के कारण छोटे-छोटे संघर्ष भी बड़े युद्ध का रूप ले सकते हैं।

आज हर देश अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा हुआ है। परमाणु हथियार, मिसाइलें और आधुनिक तकनीक से लैस सेनाएँ विश्व के लिए खतरा बनती जा रही हैं।

यदि ये हथियार गलत हाथों में पड़ जाएँ या युद्ध में इस्तेमाल हों, तो इसका परिणाम विनाशकारी हो सकता है।

विश्व में आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का एक बड़ा कारण है। देशों के बीच व्यापारिक मतभेद, संसाधनों की कमी और आर्थिक संकट तनाव को बढ़ाते हैं।

राजनीतिक मतभेद और विचारधाराओं का टकराव भी युद्ध की संभावना को बढ़ावा देता है।

यदि तीसरा विश्व युद्ध होता है, तो इसके परिणाम अत्यंत भयावह होंगे:

- भारी जनहानि और विनाश
- पर्यावरण को गंभीर नुकसान
- वैश्विक अर्थव्यवस्था का पतन
- मानव सभ्यता के अस्तित्व पर खतरा

विश्व युद्ध से बचने के लिए सभी देशों को मिलकर प्रयास करना चाहिए:

- कूटनीतिक वार्ता को बढ़ावा देना
- हथियारों की होड़ को कम करना
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका मजबूत करना
- आपसी सहयोग और समझ को बढ़ाना

"विश्व युद्ध की तरफ बढ़ता विश्व" एक गंभीर चिंता का विषय है। लेकिन यदि सभी देश समझदारी और शांति का मार्ग अपनाएँ, तो इस खतरे को टाला जा सकता है।

मानवता की भलाई इसी में है कि हम युद्ध नहीं, बल्कि शांति और सहयोग का रास्ता चुनें।

के गौतम सिंह
प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

पंजाब नैशनल बैंक - विश्वास की पहचान

सेवा का संकल्प लिए, बढ़ता हर एक कदम,
जन-जन के सपनों को देता नई सी दम।
विश्वास की नींव पर खड़ा, मजबूत इसका मान,
पंजाब नैशनल बैंक है, भारत की पहचान।

गाँव-गाँव तक पहुँची, इसकी रोशनी,
वित्तीय समावेशन से बदली हर एक ज़िंदगी।
किसान हो या व्यापारी, युवा हो या वृद्ध,
हर सपने को देता है, यह सशक्त आधार।

डिजिटल युग में आगे, तकनीक का साथ लिए,
सुरक्षित बैंकिंग सेवा, हर ग्राहक के लिए।
मेहनत, ईमानदारी और सेवा का यह रंग,
PNB के संग बढ़ता, प्रगति का हर एक ढंग।

राष्ट्र निर्माण की राह में, निभाता अहम किरदार,
MSME, शिक्षा, आवास – हर क्षेत्र में विस्तार।
हर मुश्किल में साथ खड़ा, बनकर मजबूत ढाल,
PNB के संग जुड़े, विश्वास के हर साल।

आओ मिलकर गाएँ, इसकी सेवा की तान,
जन-जन का अपना बैंक, सबका अभिमान।
समृद्ध भारत का सपना, होगा एक दिन साकार,
पंजाब नैशनल बैंक के संग, उज्ज्वल हो भविष्य अपार।

जे शशि रेखा
प्रबंधक
सीएसी हैदराबाद

तेलंगाना की संस्कृति

धरती है यह रंगों वाली, तेलंगाना की शान,
लोक गीतों की गूंज यहाँ, जैसे मधुर तान।
बोली में है मिठास ऐसी, दिल को छू जाए,
हर एक रिवाज़ यहाँ अपना, प्रेम का दीप जलाए।

बथुकम्मा के फूलों से, सजे हर आँगन,
नारी शक्ति की गाथा गाए, हर एक सावन।
बोनालु का उत्सव लाए, श्रद्धा की लहर,
देवी माँ के चरणों में, झुकता सारा शहर।

कला यहाँ की बेमिसाल, नृत्य और संगीत,
पेरिनी की थाप सुनो, जैसे वीरों की प्रीत।
हथकरघा की साड़ियों में, बसी मेहनत की पहचान,
हर धागे में झलकती है, संस्कृति की मुस्कान।

इतिहास की यह भूमि, वीरों की कहानी,
हर कण में बसी हुई, पुरखों की निशानी।
तेलंगाना की संस्कृति, सरल और महान,
भारत की इस माटी का, अनमोल है सम्मान।

साइबर आतंकवाद

उर्जना उदय कुमार
प्रबंधक
बी एन रेड्डी नगर शाखा

डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन के युग में, दुनिया पहले से कहीं ज़्यादा आपस में जुड़ी हुई है। साइबरस्पेस नामक विशाल समुदाय में करोड़ों और अरबों उपयोगकर्ता और वेबसाइट्स हैं। वर्तमान तकनीकी युग में आसान इंटरनेट कनेक्शन के कारण कोई भी कभी भी ऑनलाइन कुछ भी एक्सेस कर सकता है। यद्यपि इससे अनगिनत अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन इसने नई चुनौतियों को भी जन्म दिया है, जिनमें सबसे प्रमुख साइबर आतंकवाद है। तेज़ इंटरनेट कनेक्शन ने डेटा की तीव्र गति से परिभ्रमण को भी बढ़ा दिया है। ये सब कारण हैं कि साइबर सुरक्षा आज समाज के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन गई है। अर्थशास्त्रियों ने साइबर आतंकवाद को "डिजिटल दुनिया के लिए एक छुपा खतरा" कहा है।

साइबर आतंकवाद को सरल शब्दों में ऐसा गैरकानूनी और अनैतिक कार्य कहा जा सकता है जो हैकर्स और धोखेबाज़ अपनी वित्तीय या अन्य लाभ के लिए करते हैं। यह इतना सरल हो सकता है जितना किसी का पासवर्ड चुराना या इतना जटिल जितना वैश्विक ransomware हमले की योजना बनाना। साइबर आतंकवाद तकनीक और विधियों का प्रयोग करते हैं, :

साइबर अपराधों का वर्गीकरण

साइबर अपराधों को मुख्यतः चार वर्गों में बांटा जा सकता है:

1. (1) व्यक्तियों के विरुद्ध साइबर अपराध
2. (2) संपत्ति के विरुद्ध साइबर अपराध
3. (3) संगठन के विरुद्ध साइबर अपराध
4. (4) समाज के विरुद्ध साइबर अपराध।

(1) व्यक्तियों के विरुद्ध

ईमेल स्पूफिंग : ऐसा ईमेल जिसमें मेल का हेडर धोखा देने वाला होता है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि मेल एक स्रोत से आया है, लेकिन वह दूसरे स्रोत से भेजा गया हो।

स्पैमिंग: अनचाहे मेल्स या मास ईमेल्स (जैसे चैन लेटर्स) भेजना।

साइबर मानहानि: कंप्यूटर या इंटरनेट के माध्यम से किसी की बदनामी करना, उदाहरणतः किसी के बारे में नकारात्मक जानकारियाँ वेबसाइट या ईमेल में छपना।

उत्पीड़न और साइबर स्टॉकिंग: इंटरनेट के जरिए किसी व्यक्ति की गतिविधियों का पीछा करना।

(2) संपत्ति के विरुद्ध

क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी: कार्ड नंबर जान लेने या कार्ड चोरी हो जाने पर धोखाधड़ी।

बौद्धिक संपदा अपराध: जैसे सॉफ़्टवेयर पाइरेसी, कॉपीराइट उल्लंघन, ट्रेडमार्क उल्लंघन, कंप्यूटर स्रोत कोड की चोरी।

इंटरनेट टाइम चोरी: बिना अनुमति इंटरनेट की घंटों का उपयोग करना, जो किसी और द्वारा भुगतान किया गया हो।

(3) संगठनों के विरुद्ध

बिना अनुमति कंप्यूटर/नेटवर्क एक्सेस करना।

सेवा निषेध : इंटरनेट सर्वर पर झूठे अनुरोध भेजकर वैध उपयोगकर्ताओं की सेवा बाधित करना।

वायरस और वर्म हमले।

ईमेल बमबारी: बहुत सारे मेल भेजकर सर्वर को क्रैश कराना।

सलामी हमला: मामूली राशि को चुपके से इकट्ठा करना ताकि बड़ी रकम बन जाए।

लॉजिक बम: कार्यक्रम जो किसी निश्चित घटना पर हानिकारक क्रिया करता है।

ट्रोजन हॉर्स: छुपा हुआ प्रोग्राम जो स्वीकृत प्रोग्राम के अंदर चलता है।

डेटा डडलिंग: प्रोसेसिंग के पहले और बाद में डेटा में छेड़छाड़ करना।

(4) समाज के विरुद्ध

फर्जीवाड़ा: नोट, राजस्व स्टाम्प, मार्कशीट आदि की नक्ल बनाना।

साइबर आतंकवाद: कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग लोगों को धमकाने या आतंकवादी गतिविधियाँ करने के लिए।

वेबसाइट हाइजैकिंग: हैकर्स किसी अन्य की वेबसाइट को नियंत्रित कर उसका कंटेंट बदलना।

साइबर आतंकवाद

साइबर आतंकवाद साइबरस्पेस और आतंकवाद का मिश्रण है, जो कंप्यूटर और नेटवर्क्स पर गैरकानूनी हमलों के माध्यम से सरकारों या जनता को धमकाने के लिए किया जाता है। ये हमले भौतिक या मानसिक नुकसान पहुँचा सकते हैं, जैसे महत्वपूर्ण अवसंरचना को निशाना बनाना, संवेदनशील डेटा का उल्लंघन, बिजली या अन्य आवश्यक सेवाओं को बाधित करना, और भय तथा प्रचार का उपयोग करना। भारत में यह तेजी से बढ़ता खतरा है जो आंतरिक सुरक्षा को चुनौती देता है।

साइबर आतंकवाद के नतीजे

भारत ने विभिन्न गंभीर साइबर आतंकवादी घटनाओं को झेला है, जिनमें शामिल हैं:

- पुणे का कॉसमॉस बैंक साइबर हमला (2018) जिसमें मालवेयर के ज़रिए भारी वित्तीय हानि हुई।
- आधार डेटा उल्लंघन (2017-2018), जिसमें करोड़ों लोगों की निजी जानकारी उजागर हुई।
- 2014 में महत्वपूर्ण अवसंरचना पर लक्षित हमले।
- 2016 की नोटबंदी के बाद साइबर हमले।
- भारत में साइबर आतंकवाद से निपटने के लिए सरकारी उपाय
- साइबर सुरक्षा नीतियाँ और नियमित ड्रिल का आयोजन।
- इंटरनेट ट्रैफिक को भारत के भीतर ही बनाए रखने के प्रयास।

रोकथाम और सुझाव:

व्यक्तियों को मजबूत पासवर्ड, संदिग्ध लिंक से बचाव और नियमित सॉफ़्टवेयर अपडेट करने चाहिए। संगठनों को सुरक्षा अवसंरचना में निवेश करना चाहिए। सरकारें सख्त कानून बनाएं, और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाएं।

(संकलित)

मयूर गंदमवार
मुख्य प्रबंधक
सी ए सी, हैदराबाद

ईएसजी एकीकरण : भारत में सतत बैंकिंग का भविष्य

ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) इंटीग्रेशन का अर्थ है इन तीनों आयामों को किसी संस्था की रणनीति, नीतियों, जोखिम-प्रबंधन, उत्पाद-डिज़ाइन और प्रकटीकरण प्रक्रियाओं में व्यवस्थित रूप से शामिल करना। इसका उद्देश्य केवल अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक मूल्य-सृजन, जोखिम-समायोजित प्रदर्शन में सुधार और हितधारकों के विश्वास को मजबूत करना है। आज के बदलते आर्थिक और पर्यावरणीय परिदृश्य में ईएसजी इंटीग्रेशन वित्तीय संस्थानों, विशेषकर बैंकों के लिए अनिवार्य हो गया है।

भारत में यह दृष्टिकोण BRSR (बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट) जैसे ढांचों के माध्यम से लागू किया जा रहा है, जो कंपनियों और बैंकों को उनके पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन से जुड़े प्रदर्शन का पारदर्शी प्रकटीकरण करने के लिए प्रेरित करता है। इसके साथ ही, NGRBC (राष्ट्रीय दिशानिर्देश) के P1 से P9 सिद्धांत जिम्मेदार व्यवसाय आचरण के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। इन सिद्धांतों के आधार पर संस्थाएँ अपनी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ तैयार करती हैं और बोर्ड स्तर पर उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित करती हैं।

पंजाब नैशनल बैंक जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने ईएसजी को अपने कार्य-तंत्र में समेकित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बैंक ने NGRBC के अनुरूप अपनी नीतियों, प्रक्रियाओं और शासन ढांचे को विकसित किया है, जिनका बोर्ड-अनुमोदन और समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है। BRSR के अंतर्गत बैंक शासन, नीति-अनुपालन, हितधारक शिकायत निवारण, और कार्यबल विविधता जैसे पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा, BRSR के कोर संकेतकों पर स्वतंत्र आश्वासन प्राप्त कर बैंक अपने प्रकटीकरण की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को सुदृढ़ करता है।

ईएसजी इंटीग्रेशन का एक महत्वपूर्ण पहलू "मटेरियलिटी आकलन" है, जिसमें उन प्रमुख मुद्दों की पहचान की जाती है जो संस्था के लिए सबसे अधिक प्रभावकारी होते हैं। पीएनबी के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन से जुड़े भौतिक जोखिम-जैसे बाढ़, चक्रवात और अत्यधिक ताप-और ट्रांजिशन जोखिम-जैसे कार्बन प्राइसिंग और उत्सर्जन नियम-महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, वित्तीय समावेशन और ग्राहक केंद्रिकता भी प्रमुख मटेरियल मुद्दे हैं। बैंक इन जोखिमों

का पोर्टफोलियो और खाता स्तर पर मूल्यांकन कर उनके शमन के लिए रणनीतियाँ विकसित करता है।

जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में, बैंक TCFD (टास्क फोर्स ऑन क्लाइमेट-रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोजर्स) के चार स्तंभों-शासन, रणनीति, जोखिम-प्रबंधन और मेट्रिक्स-के अनुरूप अपनी आंतरिक संरचना विकसित कर रहा है। यह ढांचा परिसंपत्तियों की लचीलापन बढ़ाने, जोखिम-आकलन को नियमित बनाने और विभिन्न क्षेत्रों के लिए संक्रमण रणनीतियाँ तैयार करने में सहायक है। बैंक की पोर्टफोलियो रणनीति में हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देना, प्रदूषणकारी क्षेत्रों में सावधानी बरतना और कठिन क्षेत्रों में दक्षता सुधारने का संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

ईएसजी इंटीग्रेशन केवल जोखिम-प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उत्पाद नवाचार को भी प्रेरित करता है। उदाहरण के रूप में, "पीएनबी पलाश ग्रीन डिपॉज़िट" एक ऐसा उत्पाद है जिसमें जमा की गई राशि को विशेष रूप से पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं में निवेश किया जाता है। यह उत्पाद भारतीय रिजर्व बैंक के 2023 के ग्रीन डिपॉज़िट फ्रेमवर्क के अनुरूप है, जिसमें बोर्ड-स्वीकृत नीतियाँ, पात्र उपयोग की स्पष्ट परिभाषा, और वार्षिक तृतीय-पक्ष सत्यापन जैसे प्रावधान शामिल हैं। इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और हरित वित्त के प्रवाह को गति मिलती है।

पारदर्शिता और जवाबदेही ईएसजी इंटीग्रेशन के प्रमुख स्तंभ हैं। बैंक BRSR के माध्यम से रिपोर्टिंग-सीमा, आश्वासन प्रदाता और प्रमुख संकेतकों का खुलासा करता है, जिससे हितधारकों को निर्णय लेने में सहायता मिलती है। साथ ही, ग्राहक, कर्मचारी, निवेशक और समुदाय के लिए स्थापित शिकायत-निवारण तंत्र समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करते हैं। डिजिटल और गैर-डिजिटल मंचों का समेकित उपयोग बैंक की उत्तरदायित्व भावना को दर्शाता है।

मानव संसाधन के क्षेत्र में भी ईएसजी का सामाजिक आयाम स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। कार्यबल में लैंगिक समानता, दिव्यांग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व और कर्मचारी निकास दर जैसे संकेतकों का नियमित मूल्यांकन किया जाता है। बोर्ड और शीर्ष प्रबंधन स्तर पर विविधता और प्रतिनिधित्व की जानकारी पारदर्शिता को बढ़ाती है और नेतृत्व की जवाबदेही सुनिश्चित करती है।

भारत में सतत बैंकिंग का भविष्य तीन प्रमुख स्तंभों-हरित वित्त, नियामकीय प्रकटीकरण और डिजिटल समावेशन-पर आधारित है। आने वाले वर्षों में कार्बन-न्यूट्रल विकास, सामाजिक समावेशन और जिम्मेदार शासन बैंकिंग प्रणाली के केंद्र में होंगे। यह परिवर्तन केवल उत्पादों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जोखिम-प्रबंधन, पूंजी आवंटन और प्रभाव मापन की मूलभूत संरचना को भी बदल देगा।

प्रौद्योगिकी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सैटेलाइट डेटा के माध्यम से पर्यावरणीय प्रभाव का सटीक मापन संभव होगा। सप्लाई चेन ट्रेसबिलिटी और उत्सर्जन लेखांकन जैसी तकनीकों से ग्रीनवॉशिंग के जोखिम को कम किया जा सकेगा। साथ ही, UPI और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से हरित वित्तीय उत्पादों का व्यापक वितरण संभव होगा।

हालांकि, इस क्षेत्र में कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। डेटा की विश्वसनीयता और तुलनीयता, स्पष्ट टैक्सोनॉमी की कमी और ग्रीनवॉशिंग का खतरा प्रमुख समस्याएँ हैं। इसके अलावा, ESG के विभिन्न आयामों के बीच संतुलन बनाए रखना-जैसे पर्यावरणीय सुधार और रोजगार संरक्षण भी एक जटिल कार्य है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए स्पष्ट मानकों, स्वतंत्र आश्वासन और क्षमता निर्माण की आवश्यकता है।

ईएसजी इंटीग्रेशन केवल एक रिपोर्टिंग प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक समग्र व्यावसायिक दृष्टिकोण है। यह वित्तीय स्थिरता और पर्यावरणीय-सामाजिक स्थिरता को एक-दूसरे से जोड़ता है। जो संस्थाएँ उच्च गुणवत्ता डेटा, पारदर्शी प्रकटीकरण, नवाचार और हितधारक सहभागिता को अपनाएँगी, वे भविष्य में अधिक सफल और टिकाऊ साबित होंगी।

इस प्रकार, पंजाब नैशनल बैंक में ईएसजी इंटीग्रेशन शासन, जोखिम-प्रबंधन और उत्पाद नवाचार का एकीकृत रूप है, जो ग्रीन डिपॉज़िट जैसे समाधानों और नियामकीय ढांचों के माध्यम से सतत और समावेशी विकास की दिशा में ठोस कदम बढ़ा रहा है। यह न केवल बैंक की साख को मजबूत करता है, बल्कि एक हरित, संतुलित और भविष्य-सुरक्षित अर्थव्यवस्था के निर्माण में भी योगदान देता है।

रेंजू जिजो
अधिकारी
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

अवकाश का महत्व - नई ऊर्जा और स्पष्ट सोच की ओर

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में हम लगातार काम, जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं के बीच घिरे रहते हैं। ऐसे में अवकाश (ब्रेक या छुट्टी) केवल आराम का साधन नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक पुनर्जीवन (रिजुवनेशन) का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाता है। बिना रुके काम करते रहना हमें थका देता है, हमारी सोच को धुंधला कर देता है और कार्यक्षमता को धीरे-धीरे कम कर देता है। इसलिए समय-समय पर अवकाश लेना अत्यंत आवश्यक है।

अवकाश हमारे मन को स्पष्टता प्रदान करता है। जब हम लगातार एक ही काम में लगे रहते हैं, तो हमारे विचार सीमित हो जाते हैं और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। लेकिन जब हम थोड़े समय के लिए काम से दूरी बनाते हैं, तो हमारा मस्तिष्क आराम करता है और नई ऊर्जा के साथ लौटता है। इससे हम चीजों को नए दृष्टिकोण से देख पाते हैं और बेहतर निर्णय ले पाते हैं।

अवकाश हमें मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा करता है। तनाव और थकान हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। छुट्टियों के दौरान हम अपने पसंदीदा कार्य कर सकते हैं, परिवार और मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं, जिससे हमारा मन प्रसन्न होता है और शरीर भी स्वस्थ रहता है। यह ताजगी हमें फिर से काम में जुटने के लिए प्रेरित करती है।

अवकाश हमारी कार्यक्षमता को बढ़ाता है। जब हम आराम के बाद काम पर लौटते हैं, तो हमारी ऊर्जा और उत्साह पहले से अधिक होता है। हम अधिक एकाग्रता के साथ कार्य करते हैं और नई-नई सोच और विचारों के साथ समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं। इस प्रकार, अवकाश केवल आराम नहीं बल्कि हमारी उत्पादकता को बढ़ाने का साधन भी है।

अंत में, यह कहना उचित होगा कि अवकाश लेना कोई विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। यह हमें मानसिक शांति, स्पष्ट सोच और नई ऊर्जा प्रदान करती है। इसलिए, हमें अपने व्यस्त जीवन में समय निकालकर अवकाश अवश्य लेना चाहिए, ताकि हम नए विचारों और उत्साह के साथ अपने कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें।

बालाजी सदाशिव कोपले
प्रबंधक
सीएसी, हैदराबाद

मराठी गाना

हीच अमुची प्रार्थना अन् हेच अमुचे मागणे
हीच अमुची प्रार्थना अन् हेच अमुचे मागणे
माणसाने माणसाशी माणसासम वागणे
हीच अमुची प्रार्थना अन् हेच अमुचे मागणे
माणसाने माणसाशी माणसासम वागणे
हीच अमुची प्रार्थना

धर्म जाती प्रांत भाषा द्वेष सारे संपू दे
धर्म जाती प्रांत भाषा द्वेष सारे संपू दे
एक निष्ठा एक आशा एक रंगी रंगू दे
अन् पुन्हा पसरो मनावर शुद्धतेचे चांदणे
माणसाने माणसाशी माणसासम वागणे
हीच अमुची प्रार्थना

भोवताली दाटला अंधार दुःखाचा जरी
सूर्य सत्याचा उद्या उगवेल आहे खात्री
भोवताली दाटला अंधार दुःखाचा जरी
सूर्य सत्याचा उद्या उगवेल आहे खात्री
तोवरी देई आम्हाला काजव्यांचे जागणे
माणसाने माणसाशी माणसासम वागणे
हीच अमुची प्रार्थना

लाभले आयुष्य जितके ते जगावे चांगले
पाउले चालो पुढे जे थांबले ते संपले
घेतला जो श्वास आता तो पुन्हा ना लाभणे
माणसाने माणसाशी माणसासम वागणे
हीच अमुची प्रार्थना अन् हेच अमुचे मागणे
माणसाने माणसाशी माणसासम वागणे
हीच अमुची प्रार्थना...

गुजराती भाषा

“ગુજરાતી વ્યક્તિત્વ: મીઠાશ, મહેનત અને સંસ્કારની અનોખી ઓળખ

भूपेश बी. पांडिया
मुख्य प्रबंधक
सी एस सी, हैदराबाद

ગુજરાતી વ્યક્તિ પોતાના સૌમ્ય સ્વભાવ, મહેનત અને વ્યવહારુ બુદ્ધિ માટે જાણીતી હોય છે. ગુજરાતના લોકોમાં એક ખાસ વાત એ છે કે તેઓ જ્યાં પણ જાય છે ત્યાં પોતાનું સંસ્કાર, પરંપરા અને ઓળખ જાળવી રાખે છે. ગુજરાતી વ્યક્તિ સામાન્ય રીતે ખૂબ મીઠા બોલનારા હોય છે અને “અતિથિ દેવો ભવ” ના સિદ્ધાંતને દિલથી અનુસરે છે. કોઈ મહેમાન ઘરે આવે તો તેને સન્માન આપવું અને તેને ખુશ રાખવું એ તેમની ખાસિયત હોય છે.

ગુજરાતી લોકોમાં વ્યવસાયિક કુશળતા પણ ખુબ જ જોવા મળે છે. તેઓ વેપાર અને ધંધામાં કુદરતી રીતે પારંગત હોય છે. નાના-મોટા ધંધાથી લઈને મોટા ઉદ્યોગો સુધી, ગુજરાતી વ્યક્તિ પોતાની મહેનત અને બુદ્ધિથી સફળતા મેળવવામાં વિશ્વાસ રાખે છે. જોખમ લેવાની હિંમત અને નવી તકો શોધવાની લાલસા તેમને અન્ય લોકોથી અલગ બનાવે છે.

ખોરાકની વાત કરીએ તો ગુજરાતી વ્યક્તિને સ્વાદિષ્ટ અને વિવિધતાભર્યો ભોજન ખૂબ ગમે છે. ધોકળા, ખાખરા, થેપલા, હાંડવો અને ઊંધીયુ જેવા પરંપરાગત વાનગીઓ તેમની ઓળખ છે. ગુજરાતી ભોજન સામાન્ય રીતે મીઠાશ ધરાવતું હોય છે, જે તેમના સ્વભાવની મીઠાશને પણ દર્શાવે છે.

સંસ્કૃતિ અને પરંપરામાં ગુજરાતી લોકો ખૂબ જ જોડાયેલા હોય છે. નવરાત્રીનો તહેવાર તો ખાસ કરીને તેમની ઓળખ છે, જ્યાં લોકો ગરબા અને ડાંડીયા રમતા ખૂબ ઉત્સાહથી ઉજવણી કરે છે. આ તહેવારોમાં તેમની એકતા, આનંદ અને ઉર્જા સ્પષ્ટ દેખાય છે. પરિવાર પ્રત્યેનો લગાવ પણ ખૂબ જ મજબૂત હોય છે. તેઓ પરિવાર સાથે સમય પસાર કરવાનું અને એકબીજાની સાથે ખુશીઓ વહેંચવાનું મહત્વ આપે છે.

શિક્ષણ અને આધુનિકતામાં પણ ગુજરાતી લોકો આગળ છે. તેઓ નવા વિચારોને સ્વીકારતા હોવા છતાં પોતાની પરંપરાઓને ક્યારેય ભૂલતા નથી. વિદેશોમાં વસતા ગુજરાતીઓ પણ પોતાની ભાષા, ભોજન અને તહેવારોને જીવંત રાખે છે, જે તેમની સંસ્કૃતિ પ્રત્યેની લાગણી દર્શાવે છે.

સારાંશરૂપે, ગુજરાતી વ્યક્તિ મહેનતુ, મીઠા સ્વભાવના, વ્યવસાયિક રીતે કુશળ અને સંસ્કારવાન હોય છે. તેઓ જીવનને આનંદથી જીવવા અને દરેક પરિસ્થિતિમાં આગળ વધવા માટે જાણીતા છે.

ગુજરાતી જ્યાં જાયે છે ત્યાં તેઓ પોતાના જીવન ને સમર્પિત કરી દે છે અને પોતાની જાતને તે જગ્યા ના પ્રમાણે બદલી નાખે છે અને તેમને પોતાના જીવનમાં ઉતારે છે.

ગુજરાતી કાયમ ઉન્નતિ કરવામાં સક્ષમ હોય છે નાકે પોતાના પરિવાર ને પણ તે ગામ અને દેશ ને સમર્પિત કરી દે છે ઉન્નતિ માટે.

जन्मोत्सव की झलकियाँ

दिनांक 10.12.2025 को कृषि आउटरिच कार्यक्रम के दौरान अंचल प्रमुख महोदया ग्राहकगण के साथ

दिनांक 14.11.2025 को आयोजित रिटेल आउटरिच कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार गोयल एवं अंचल प्रमुख महोदया ऋण स्वीकृति पत्र ग्राहकों को प्रदान करते हुए ।दृष्टव्य है मंडल प्रमुख हैदराबाद तथा सिकंदराबाद

विविध गतिविधियां

श्री डी राघवेन्द्र एवं श्री बी लोकेश्वर प्रबंधक के स्थानांतरण पर मुख्य प्रबंधक (मा.सं वि) श्री मो. तौसीफ रहमत जामा स्मृति स्वरूप भेंट प्रदान करते हुए ।

श्रीमती के.अपर्णा वरिष्ठ प्रबंधक के भूदान स्थानांतरण पर स्मृति स्वरूप भेंट प्रदान करते हुए मुख्य प्रबंधक श्रीमती रति नायर एवं दृष्टव्य हैं मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविंद कालरा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण ।

मंडल एम् आर एम बैठक के दौरान ए.आई .पी.एन .बी.ओ.ए ,तेलंगाना सचिव श्री जी. वेंकन्ना का अभिनन्दन करते हुए मुख्य प्रबंधक श्रीमती रति नायर ।

पुरुष दिवस के अवसर पर उप मंडल प्रमुख श्री सी.बी.विवेकानंद का अभिनन्दन करते हुए मुख्य प्रबंधक श्रीमती रति नायर ।

पुरुष दिवस के अवसर पर केक काटते हुए मंडल कार्यालय के पुरुष अधिकारीगण ।

हैदराबाद अंचल की समीक्षा बैठक के दौरान पीएलपी प्रमुख श्री बी सोमेश्वर राव को पुरस्कृत करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अमित कुमार श्रीवास्तव ,अंचल प्रमुख हैदराबाद श्रीमती वंदना पाण्डेय एवं उप अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री संजय माने ।

खेल उत्सव एवं ताल तरंग

मंडल प्रमुख हैदराबाद के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री मयूर गंढमवार ,मुख्य प्रबंधक,सुश्री ई.पल्लवी,सुश्री एस सौजन्या ।

मंडल प्रमुख हैदराबाद के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए सुश्री डी वंदना ,मुख्य प्रबंधक, श्रीमती शशि रेखा, प्रबंधक, श्री कृष्णा,विपणन अधिकारी ।

शतरंज खेलते अधिकारीगण ।

ताल तरंग के निर्णायक मंडल विचार विमर्श करते हुए ।

मंडल प्रमुख हैदराबाद के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री पी.प्रकाश कुमार एवं श्री टी नागराजू ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंडल प्रमुख तथा उप मंडल प्रमुख हैदराबाद के संग मंडल कार्यालय तथा अधीनस्थ शाखाओं की महिला कार्मिकगण ।

सामूहिक छवि

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंडल प्रमुख हैदराबाद के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्रीमती जी .अनंत लक्ष्मी ,मुख्य प्रबंधक ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मंडल प्रमुख हैदराबाद एवं उप मंडल प्रमुख के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए सुश्री चैतन्या बोडा, सुश्री कविता ठाकुर श्रीमती सी.सुधामय ।

राजभाषा गतिविधियां

अंचल प्रमुख हैदराबाद (तत्कालीन) श्री सुनील कुमार चुघ तथा विशिष्ट अतिथि महोदय के करकमलों से अंचल स्तर पर चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगीता में प्रथम तथा द्वितीय पुरस्कार क्रमशः प्राप्त करते हुए श्री वाई राहुल एवं श्रीमती रेंजू जिजो ।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

दिनांक 24.02.2026 को नराकास महबूबनगर के तत्वावधान में पंजाब नैशनल बैंक, महबूबनगर शाखा द्वारा ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन।

मंडल कार्यालय हैदराबाद द्वारा राजभाषा प्रोत्साहन के अंतर्गत सन् 2025 में वीरनारी चाकली ऐलम्मा महिला विश्वविद्यालय,कोठी हैदराबाद से एम.ए. हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री के ज्योति को बैंक की ओर से ₹5000/- की एकमुश्त पुरस्कार-राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए माननीय कुलपति प्रो. सूर्या धनंजय , उप मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री सी बी विवेकानन्द ,कुल सचिव प्रो. बी. विजयलक्ष्मी, प्राचार्य डॉ. लोक पावनी तथा हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संतोष राठौड़ तथा अन्य कार्मिकगण ।

विविध गतिविधियां

उप मंडल प्रमुख श्री सी.बी विवेकानन्द को उनकी सेवा के 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर अभिनंदन करते हुए मंडल प्रमुख हैदराबाद ।

दीपावली के अवसर पर मंडल कार्यालय हैदराबाद के कार्मिकगण ।

हैदराबाद शहर के मेट्रो रेल में पीएनबी के प्रचार प्रसार सामग्री को औपचारिक रूप से प्रदर्शित करवाते अंचल प्रमुख श्रीमती वंदना पाण्डेय ,उप अंचल प्रमुख श्री संजय माने ,मंडल प्रमुख हैदराबाद तथा अन्य अधिकारीगण ।

स्वच्छता दिवस के अवसर पर सफाई करते मंडल कार्यालय हैदराबाद के अधिकारीगण ।

होली के शुभ अवसर पर मंडल कार्यालय हैदराबाद के अधिकारी एवं कर्मचारीगण ।

विविध गतिविधियां

समीक्षा बैठक के दौरान मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा शखा प्रमुख सनतनगर सुश्री वंदना दासा ,एम् सी सी प्रमुख श्री रमेश बाबू ,शाखा प्रबंधक मलकपेठ श्री रवि नायक जी को सम्मानित करते हुए।

समीक्षा बैठक के दौरान मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा, शाखा प्रमुख मलकपेठ सुश्री बी .सुचित्रा , शाखा प्रमुख इब्राहिम्पतनम सुश्री कविता ठाकुर , शाखा प्रमुख कुर्मेड श्री गोविन्द राज जी को सम्मानित करते हुए।

समीक्षा बैठक के दौरान मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा , शाखा प्रमुख सोमाजीगुडा सुश्री सरिता ज्योति , शाखा प्रमुख तांडूर श्री टी. मणितेजा , शाखा प्रमुख छोटूपप्ल सुश्री जे.स्वप्ना जी को सम्मानित करते हुए ।

समीक्षा बैठक के दौरान मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा, शाखा प्रमुख नंदीग्राम सुश्री टी.कृपा लीला जी को सम्मानित करते हुए ।

मंडल एम आर एम् बैठक एवं क्रिसमस के अवसर पर अधिकारियों को तोफा देते हुए अधिकारीगण दृष्टव्य हैं मंडल प्रमुख हैदराबाद तथा ए.आई .पी.एन .बी.ओ.ए ,तेलंगाना सचिव श्री जी. वेंकन्ना ।

विविध गतिविधियां

होम लोन(गृह ऋण) मेले के दौरान पंजाब नैशनल बैंक के स्टाल पर,शाखा प्रमुख श्री नगर कॉलोनी श्री डी वीएस सूर्यनारायण तथा पीएलपी प्रमुख श्री बी सोमेश्वर राव ।

शाखा प्रमुख नंदीग्राम सुश्री टी.कृपा लीला कान्हा शांति वनम के अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट करते हुए ।

शाखा प्रमुख कोठी सुश्री एम् श्रीलक्ष्मी महावीर ग्रुप के अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट करते हुए ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर शपथ लेते चारमिनार शखा के कार्मिक गण ।

पीएनबी मेट लाइफ के नविन उत्पाद का अनावरण करते हुए मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविन्द कालरा ,उप मंडल प्रमुख एवं पीएनबी मेट लाइफ के अधिकारीगण ।

होम लोन(गृह ऋण) मेले के दौरान सी.ए.सी हैदराबाद के विपणन अधिकारीगण ।

अखबार की सुर्खियों में पीएनबी

हिन्दी मिलाप

पंजाब नेशनल बैंक का एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

Hindi Milap Edition
Nov 25, 2025 Page No. 14
Powered by: erelego.com

हिन्दी मिलाप

का एमएसएमई आउटरीच प्रोग्राम आयोजित

बैंक खाता 7-7 हजार में बेच रहे दलाल, एक करोड़ लिमिट के खाते की कीमत 6 लाख

स्कीम का लालच देकर खुलवाते हैं खाते, फिर ठगों को बेच रहे

हिन्दी मिलाप

प्रकाशित समाचार
दिनांक : रविवार, 26 अक्तूबर, 2025
पृष्ठ संख्या : 21

डेली हिन्दी मिलाप
DAILY HINDI MILAP
Hyderabad

అక్షరం

శనివారం, నవంబరు 15, 2025

పంజాబ్ నేషనల్ బ్యాంక్ రిటైల్ రుణాలకు కృషి

హిన్దీ मिलाप

पीएनबी का कृषि आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 दिसंबर-(मिलाप ब्यूरो)
पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा कृषि क्षेत्र को वित्तीय रूप से सुदृढ़ करने, ऋण सुविधा का विस्तार करने तथा कृषि विकास को प्रोत्साहित करने हेतु संचालित राष्ट्रव्यापी कृषि आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत आज अमीरपेट में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पीएनबी के हैदराबाद एवं सिकंदराबाद मंडलों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में अंचल प्रमुख (हैदराबाद) वंदना पाण्डेय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अवसर पर बैंक अधिकारियों द्वारा कृषि ऋण उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला, विभिन्न सरकारी प्रायोजित ऋण योजनाओं तथा कृषि क्षेत्र हेतु उपलब्ध विशिष्ट वित्तीय एवं तकनीकी सहायता सेवाओं पर समग्र प्रस्तुति दी गई। वरिष्ठ बैंक अधिकारियों ने कृषि क्षेत्र में विद्यमान ऋण अंतराल को दूर करने, किसानों एवं कृषि उद्यमियों तक समयबद्ध ऋण सुविधा पहुँचाने तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की उभरती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध वित्तीय समाधान विकसित करने के प्रति पीएनबी के निरंतर प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वह बैंक की विभिन्न कृषि-केंद्रित योजनाओं एवं सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाएँ। अवसर पर 80 करोड़ रुपये के कृषि ऋण स्वीकृत किए गए। साथ ही लाभार्थी ग्राहकों को स्वीकृति-पत्र प्रदान किए गए। पीएनबी ने स्पष्ट किया कि ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से बैंक का उद्देश्य ग्राहक संबंधों को सुदृढ़ करना, वित्तीय साक्षरता को व्यापक बनाना तथा कृषि एवं सूक्ष्म उद्यमिता को प्रतिस्पर्धी परिवेश में प्रगति हेतु आवश्यक समर्थन प्रदान करना है। बैंक द्वारा देशभर में इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

पीएनबी में राजभाषा कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीएनबी मंडल कार्यालय हैदराबाद में सरकारी पत्राचार में सरल, स्पष्ट एवं प्रभावी हिंदी का प्रयोग विषय पर राजभाषा कार्यशाला सह राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किय गया।

कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहे नविन कु… नैथाली, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, राज… विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं पीएनबी, अंचल कार्यालय हैदराबाद से डॉ साकेत सहाय, मुख्य प्रबंधक(राजभाषा) थे। अवसर पर आयोजित चित्र देखो निबंध लिखो प्रतियोगिता… विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। वक्ताओं ने अपने वक्त… राजभाषा के महत्त्व तथा राष्ट्रहित में हिंदी के प्रयोग पर बल… लिए सभी अधिकारियों को सलाह दी। लव कुमार के धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

हिन्दी मिलाप

నవతెలంగాణ

పంజాబ్ నేషనల్ బ్యాంక్ కొత్త బ్రాంచ్ ప్రారంభం

डेली हिन्दी मिलाप

पीएनबी का रोजगार उन्मुख सेमिनार आयोजित

एक नज़र मंडल कार्यालय हैदराबाद

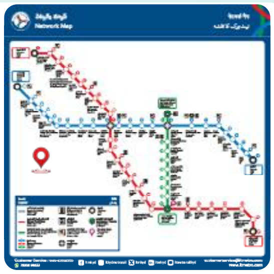

मंडल कार्यालय, हैदराबाद

शाखाएँ
78

वर्टिकल
05

करेंसी चेस्ट
01

क्षेत्रीय क्लेयरिंग सेंटर 01

एटीएम
71

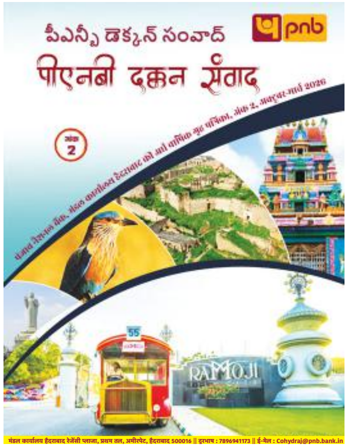

पत्रिका पर क्लिक करें

डिजिटल विशेष

इस पत्रिका में दिए गए QR कोड को स्कैन करके आप रचनाओं को ऑडियो एवं वीडियो के रूप में सुन और देख सकते हैं। साथ ही, पत्रिका पर क्लिक करने से पूरी पत्रिका आसानी से खुल जाएगी।

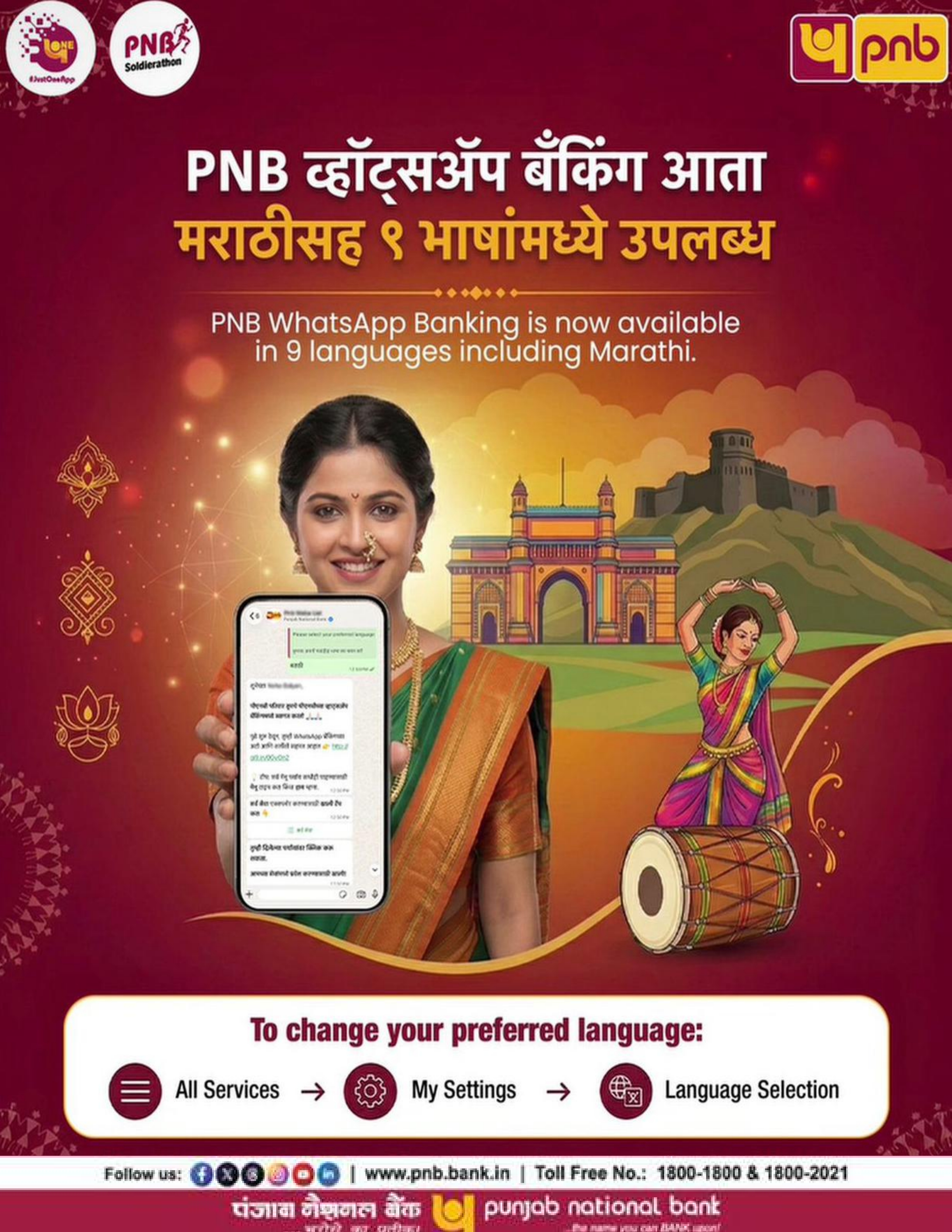
#JustOneApp
PNB Soldierathon
pnb
PNB व्हॉट्सअ‍ॅप बँकिंग आता
मराठीसह ९ भाषांमध्ये उपलब्ध
PNB WhatsApp Banking is now available in 9 languages including Marathi.
To change your preferred language:
All Services → My Settings → Language Selection
Follow us: | www.pnb.bank.in | Toll Free No.: 1800-1800 & 1800-2021
पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank